website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 | अंक : 20 | पेज: 8 | जयपुर, बुधवार 31 दिसम्बर 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

पीएम मोदी को मिला स्टील्थ जेट का उपहार

पुतिन बने सांता, मोदी-जिनपिंग और ट्रंप को बांटे क्रिसमस के तोहफे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

क्रिसमस के मौके पर तोहफे देने का रिवाज पुराना है। लोग इस खास दिन पर अपने परिवारजनों और दोस्तों को तोहफे देकर शुभकामनाएं भेजते हैं। इस बार रूस ने इस परम्परा को एक दिलचस्प अंदाज में निभाया है। दरअसल रूस ने हाल ही में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का एक एआई जेनरेटेड वीडियो शेयर किया है जिसमें वह भारत, चीन, अमेरिका और तुर्की समेत कई देशों के नेताओं को क्रिसमस गिफ्ट देते नजर आ रहे हैं।

इस वीडियो को केन्या में स्थित रूसी दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर किया है। वीडियो की शुरुआत में व्लादिमीर पुतिन सांता क्लॉज की वेशभूषा में नजर आते हैं। वहीं उनके पास एक तोहफे का पिटारा होता है। वीडियो अपने आप ही काफी मजेदार है। हालांकि इससे भी मजेदार है इसमें वैश्विक नेताओं को पुतिन द्वारा मिल रहे तोहफे। यह तोहफे प्रतीकात्मक हैं और उपहारों की मदद से इसमें इन देशों के साथ रूस के संबंधों की ओर इशारा किया गया है।

रूसी एंबेसी ने हाल ही में एक मजेदार वीडियो शेयर किया है जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से तैयार इस वीडियो में पुतिन दुनिया के कई नेताओं को तोहफे बांटते नजर आ रहे हैं।

रूस में क्रिसमस 7 जनवरी को मनाया जाता है

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से तैयार हुआ वीडियो

पुतिन ने कई देशों के नेताओं को क्रिसमस गिफ्ट देते नजर आए

पुतिन का पहला गिफ्ट जिनपिंग को

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

पुतिन का पहला गिफ्ट चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग को मिलता है। इसमें जिनपिंग को चीनी युआन और रूसी रूबल के साइन को दर्शाने वाले लेटर मिलते हैं। इसे क्रिसमस ट्री पर लगाते ही डॉलर का साइन और जमीन पर गिरकर टूट जाता है। चीनी राष्ट्रपति के इस गिफ्ट के जरिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को संदेश देने की कोशिश की गई है और यह बताया गया है कि चीन और रूस मिलकर डॉलर को सीधी चुनौती देने को तैयार हैं।

अन्य देशों को भी मिले गिफ्ट

तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन को पुतिन एक स्नो ग्लोब पेश करते दिखे जिस पर अक्कू शब्द लिखा है। यह रूस की सरकारी कंपनी रोसाटॉम द्वारा तुर्की में बनाए जा रहे पहले परमाणु ऊर्जा संयंत्र को रेखांकित करता है। वहीं उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन को पुतिन को एक तलवार के साथ एक नोट देते हुए दिखाया गया है, जिस पर लिखा है, रूस की ओर से आभार के साथ। इसके अलावा पुतिन ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की को भी एक तोहफा दिया। इसमें जेलेंस्की को रूस की तरफ से एक हथकड़ी देते हुए दिखाया गया है।

पीएम मोदी को मिला ये खास तोहफा

इस एआई जेनरेटेड वीडियो में रूसी राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री मोदी को सुखोई यूएस-57 स्टील्थ फाइटर जेट का एक छोटा मॉडल गिफ्ट किया है। यह भारत और रूस के बीच लंबे समय से चले आ रहे रक्षा संबंधों को रेखांकित करता है। यह इसीलिए खास है क्योंकि रिपोर्ट्स के मुताबिक रूसी रक्षा अधिकारियों ने हाल ही में एसयू-57 के लिए समझौते की पेशकश की है। इस समझौते के तहत इस विमान के भारत में निर्माण की संभावना है।

ट्रंप की नाकामी पर तंज कसा

ट्रंप को गिफ्ट के जरिए अलास्का शिखर सम्मेलन की याद दिलाई गई है। ट्रंप को पुतिन मुलाकात के मौके पर ली गई तस्वीर भेजी गई। अलास्का में हुई यह बैठक यूक्रेन जंग पर किसी ठोस शांति समझौते के बिना समाप्त हो गई थी। इसके जरिए रूस ने ट्रंप की नाकामी पर तंज कसा है।

क्रिसमस का उत्सव और सांस्कृतिक महत्व

वीडियो का अंत एक शहर के क्रिसमस सजावट और रोशनी के दृश्य से सजा होता है। रूस में क्रिसमस हर साल 7 जनवरी को मनाया जाता है। इसका कारण है कि रूसी ऑर्थोडॉक्स चर्च पुराने जूलियन कैलेंडर का पालन करता है। रूस में नए साल का दिन (1 जनवरी) क्रिसमस से ज्यादा महत्वपूर्ण माना जाता है। क्रिसमस से पहले 40 दिन का उपवास होता है और मुख्य जश्न 6 जनवरी की रात को शुरू होता है।

खबर संक्षेप

तुर्की में मुठभेड़, छह आतंकवादी ढेर

अंकारा। तुर्की में पुलिस से मुठभेड़ में इस्लामिक स्टेट के छह आतंकवादी मारे गए। इस दौरान तीन पुलिसकर्मी भी मारे गए। तुर्की के गृहमंत्री ने यह जानकारी दी है। यह मुठभेड़ सोमवार को इस्तांबुल के दक्षिण में स्थित यालोवा प्रांत में उस समय हुई, जब पुलिस ने एक ऐसे घर में छापेमारी की जहां आतंकवादी छिपे हुए थे। गृह मंत्री अली येरलिकाया ने पत्रकारों को बताया कि पुलिस के आठ अन्य अधिकारी और एक गार्ड घायल हो गया।

कार दुर्घटना में 2 भारतीय मूल की छात्राओ की मौत

कैलिफोर्निया। अमेरिका में शनिवार को एक सड़क हादसे में दो भारतीय मूल की छात्राओं की मौत हो गई। पुलिस ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। हादसा कैलिफोर्निया में हुआ। पीड़ितों की पहचान महबूबाबाद जिले के गरला मंडल की रहने वाली 25 साल की पुलखंडम मेघना रानी और मुल्कनूर गांव की 24 साल की कडियाला भावना के रूप में हुई है। दोनों तीन साल पहले मास्टर डिग्री की पढ़ाई के लिए अमेरिका गई थीं।

एचआरसीबीएम की रिपोर्ट में हुआ खुलासा

बांग्लादेश में हिंदू परिवार के 5 घरों में कट्टरपंथियों ने लगाई आग, लोग बाड़ काटकर जान बचा सके

एजेंसी ▶▶ ढाका

ह्यूमन राइट्स कांग्रेस फॉर बांग्लादेश माइनॉरिटिज एचआरसीबीएम की रिपोर्ट के अनुसार जून से दिसंबर तक हिंदुओं के खिलाफ ईशनिंदा के 71 मामले सामने आए। पीरोजपुर के डुमरीताला गांव में एक हिंदू परिवार के पांच घर जलाए गए, जिसे अल्पसंख्यकों पर लक्षित हमला माना जा रहा है।

बांग्लादेश में शेख हसीना की सरकार गिराए जाने के बाद से ही अल्पसंख्यकों पर हमले लगातार बढ़ गए हैं। ह्यूमन राइट्स कांग्रेस फॉर बांग्लादेश माइनॉरिटिज एचआरसीबीएम की रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि इस साल जून से दिसंबर कर बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों के खिलाफ ईशनिंदा के आरोपों से जुड़ी कम से कम 71 घटनाएं सामने आई हैं।

मुस्लिम बहुल देश के पीरोजपुर जिले के डुमरीताला गांव में एक हिंदू परिवार के कम से कम पांच घरों को आग लगा दी गई, जिसे अल्पसंख्यकों पर एक टारगेटेड हमला माना जा रहा है।

स्थानीय अधिरकारियों के अनुसार, आग लगने का सही कारण अभी तक पता नहीं चला है। रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि हमलावरों ने कथित तौर पर एक कमरे में कपड़ा भरकर आग लगा दी, जिससे आग तेजी से पूरे घर में फैल गई। वही स्थानीय पुलिस ने पांच संदिग्धों को गिरफ्तार किया है।

शेख हसीना सरकार गिरने के बाद अल्पसंख्यकों पर हमले बढ़े

एचआरसीबीएम रिपोर्टः जून से दिसंबर तक 71 ईशनिंदा मामले

आग लगने के बाद डरा हुआ है साहू परिवार

बांग्लादेश में हिंदुओं के घरों को आग लगाते हुए कट्टरपंथी

मीडिया को मिली जानकार के मुताबिक, ढाका में साहू परिवार अभी भी डरा हुआ है। उन्होंने कैमरे के सामने आने से मना कर दिया और कहा कि उन्हें नहीं पता कि आग कैसे लग गई, पुलिस मामले की जांच कर रही है। परिवार के सदस्यों ने बताया कि जब वे सुबह-सुबह आग लगने पर जागे, तो वे शुरू में अंदर फंस गए थे, क्योंकि दरवाजे बाहर से बंद थे। प्रभावित परिवारों के सभी आठ सदस्य बांस की बाड़ काटकर भागने में कामयाब रहे। हालांकि उस घर का पूरा सामान जलकर खाक हो गया और उनके पालतू जानवर भी मारे गए। यह घटना जिस जगह हुई वह राजधानी ढाका से लगभग 240 किमी दूर है।

जून से दिसंबर तक हिंदू अल्पसंख्यकों पर 71 हमले

ह्यूमन राइट्स कांग्रेस फॉर बांग्लादेश माइनॉरिटीज एचआरसीबीएम ने एक रिपोर्ट में बताया कि इस साल जून से दिसंबर तक बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों के खिलाफ ईशनिंदा के आरोपों से जुड़ी कम से कम 71 घटनाएं सामने आईं। एचआरसीबीएम ने चांदपुर, चट्टोग्राम, दिनाजपुर, लालमोनिरहाट, सुनामगंज, खुलना, कोमिला, गाजीपुर, टांगेल और सिलहट सहित 30 से ज्यादा जिलों के मामलों को डॉक्यूमेंट किया है।

पुलिस ने 5 संदिग्धों को किया गिरफ्तार

पीरोजपुर के पुलिस अधीक्षक मोहम्मद मंजूर अहमद सिद्दीकी ने आग लगने वाली जगह का दौरा किया और शिकायतकर्ताओं को आश्वासन दिया कि घटना की तुरंत जांच की जाएगी। स्थानीय पुलिस ने पांच संदिग्धों को गिरफ्तार किया है, जबकि जांच जारी रहने के साथ बाकी आरोपियों को पकड़ने के प्रयास जारी हैं। घटना का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसमें स्थानीय लोग कई घरों में फैली भीषण आग को बुझाने की कोशिश करते दिख रहे हैं।

संघर्ष विराम को जारी रखने की प्रतिबद्धता जताई

मध्यस्थता...या कूटनीति? चीन में मिले थाईलैंड और कंबोडिया के विदेश मंत्री

फाइल फोटो

एजेंसी ▶▶ बीजिंग

थाईलैंड और कंबोडिया के बीच जारी तनाव के बीच दोनों देशों के विदेश मंत्री सोमवार को चीन के युन्नान प्रांत में चीन के विदेश मंत्री से मिले। दोनों देशों के संघर्ष में अब चीन मध्यस्थ की भूमिका में है और इसके जरिए चीन दुनिया की वैश्विक कूटनीति में अपनी मौजूदगी को मजबूत करने की कोशिश कर रहा है। चीन में थाईलैंड और कंबोडिया के विदेश मंत्रियों की मुलाकात, दोनों देशों के बीच ताजा संघर्ष विराम समझौते पर हस्ताक्षर के बाद हो रही है। संघर्ष विराम के साथ ही दोनों देशों का संघर्ष फिलहाल थम गया है, जिसमें अब तक 100 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है और सीमा के दोनों तरफ हजारों लोगों को विस्थापन झेलना पड़ा है। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने थाईलैंड और कंबोडिया के विदेश मंत्रियों की बैठक बुलाई थी। चीनी विदेश मंत्री वांग ने बैठक के बाद कहा, युद्ध की आग को फिर से भड़कने देना निश्चित रूप से दोनों देशों के लोग नहीं चाहते हैं, और न ही चीन ऐसा देखना चाहता है। इसलिए, हमें दृढ़ता से आगे देखना चाहिए और आगे बढ़ना चाहिए।

कंबोडिया के विदेश मंत्री प्राक सोखोन ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि नवीनतम संघर्ष विराम चलेगा और दोनों देशों के लिए अपने संबंधों पर काम करने और अपने मतभेदों को सुलझाने के लिए एक सकारात्मक माहौल बनेगा।

चीन बढ़ा रहा राजनीतिक ताकत

ये बैठकें चीन की एक अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थ के तौर पर अपनी भूमिका को मजबूत करने और खासकर, एशियाई क्षेत्रीय संकटों में अपने प्रभाव को बढ़ाने की ताजा कोशिशों को दिखाती हैं। जैसे-जैसे चीन बढ़ रहा है और क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर एक बड़ी आर्थिक और राजनीतिक ताकत बन रहा है, बीजिंग ने पिछले एक दशक से ज्यादा समय से कूटनीतिक मामलों में तीसरे पक्ष के तौर पर अपनी आवाज बढ़ाने के लिए कई तरीकों से काम किया है।

पर्यटकों का उमड़ा सैलाब...

नव वर्ष से पहले अमृतसर में स्वर्ण मंदिर के पास पर्यटकों का सैलाब उमड़ पड़ा। इस अवसर पर पर्यटक सेल्फी लेते हुए नजर आए।

बांग्लादेश की राजनीति में नई हलचल

रहमान ने दाखिल किया नामांकन, ढाका 17 संसदीय सीट से लड़ सकते हैं चुनाव

एजेंसी ▶▶ ढाका

बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान की राजनीति में वापसी हो चुकी है। उन्होंने आगामी चुनावों के लिए ढाका-17 संसदीय सीट से नामांकन भर दिया है। उनका नामांकन पत्र सेगुनबागीचा स्थित ढाका डिविजनल कमिश्नर के कार्यालय में जमा किया गया। इस सीट की अहमियत इसकी जगह को लेकर है।

बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के पतन और जुलाई आंदोलन के बाद बदले राजनीतिक परिदृश्य के बीच देश एक बार फिर बड़े चुनावी दौर की ओर बढ़ रहा है। अंतरिम व्यवस्था और नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस की भूमिका के बीच अब 13वें जातीय संसद चुनाव की तैयारियां तेज हो गई हैं। कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान की राजनीति में वापसी और उनके चुनाव लड़ने की औपचारिक प्रक्रिया ने देश की राजनीति में नई हलचल पैदा कर दी है। 17 साल के लंबे स्व-निर्वासन के बाद हाल ही में स्वदेश लौटे बीएनपी के कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान के नामांकन पत्र आगामी राष्ट्रीय चुनावों के लिए सोमवार को दाखिल कर दिए गए।

भारत ने दी दुलहस्ती हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट स्टेज-2 को मंजूरी

सिंधु जल समझौते पर एक और फैसले से बौखलाया पाक, भारत ने लगातार दिया दूसरा झटका

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत सरकार के पर्यावरण विभाग की एक समिति ने चिनाब नदी पर दुलहस्ती हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट के दूसरे चरण पर काम करने की मंजूरी दी है। इस प्रोजेक्ट को लेकर 27 तारीख को ही मंजूरी मिली है और उधर पाकिस्तान को इससे मिर्ची लग गई है। पाकिस्तान की सांसद और पूर्व मंत्री शेरी रहमान ने इस पर सवाल उठाए हैं और बौखलाहट में भारत पानी को हथियार बनाने का आरोप लगाया है। रहमान ने कहा कि पानी को हथियार बनाना गलत है और इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता।

एक्स पर शेरी रहमान ने लिखा, 'ऐसा करना सिंधु जल समझौते का उल्लंघन है। भारत सरकार ने दुलहस्ती हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट स्टेज-2 को मंजूरी दी है। ऐसा करना गलत है। सिंधु जल समझौते के तहत कोई भी फैसला एकतरफा तौर पर नहीं लिया जा सकता। सिंधु जल समझौते के तहत पाकिस्तान का चिनाब, झेलम और सिंधु नदी के जल पर अधिकार है। वहीं भारत का अधिकार रावी, ब्यास और सतलुज पर है।

सावलकोट प्रोजेक्ट के तहत भारत की तैयारी

बता दें कि भारत सरकार ने जिस दुलहस्ती प्रोजेक्ट को मंजूरी दी है, उसके तहत 260 मेगावाट बिजली उत्पादन की तैयारी है। इससे पहले सावलकोट हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट को भी इसी नदी पर बनाने की तैयारी है। इसकी क्षमता 1856 किलोवाट बताई जा रही है। दरअसल सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि जब तक आतंकी ठिकानों पर पाकिस्तान ऐक्शन नहीं लेगा, तब तक सिंधु जल समझौते को लेकर पाकिस्तान से कोई बात नहीं होगी। इसके अलावा समझौते को लागू भी नहीं किया जाएगा।

नए साल से पहले पर्यटकों की संख्या में हुआ इजाफा

पहलगाम में लौटी बहार, पर्यटकों के चेहरों पर आई खुशी

एजेंसी ▶▶ अनंतनाग

कई महीनों के बाद पहलगाम एक बार फिर चारों ओर से सजा-संवरा और जीवंत नजर आ रहा है। देश के अलग-अलग हिस्सों से आए पर्यटक घाटी की खूबसूरती का लुत्फ उठाते दिखाई दे रहे हैं। बाजारों में रौनक है, होटल गुलजार हैं और सड़कों पर पर्यटकों की आवाजाही बढ़ गई है। पर्यटकों का कहना है कि जब वे घर से निकले थे तो मन में यह आशंका थी कि शायद वे पहलगाम नहीं जाएंगे लेकिन यहां पहुंचकर उनका अनुभव पूरी तरह बदल गया। एक पर्यटक ने कहा, यहां आकर बहुत अच्छा लग रहा है। पहलगाम की वादियां, मौसम और लोगों की मेहमाननवाजी दिल को छू जाती है।

पहलागम में 22 अप्रैल 2025 को हुए हमले के बाद जम्मू और कश्मीर के पर्यटन पर बड़ा प्रभाव पड़ा था। जिसके बाद से वहां के पर्यटकों की संख्या में कमी देखने को मिली थी।

पहलगाम में बहार

वादी सैलानियों की पहली पसंद बनी

कई जगहों पर पर्यटक हिंदी नगमों पर झूमते और नाचते हुए नजर आ रहे हैं। स्थानीय कारोबारियों और पर्यटन से जुड़े लोगों को उम्मीद है कि आने वाले दिनों में पर्यटकों की संख्या और बढ़ेगी जिससे क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। पहलगाम में लौटी यह रौनक एक बार फिर साबित कर रही है कि शांति और भरोसे के साथ यह वादी सैलानियों की पहली पसंद बनी रह सकती है।

पहले से अब अच्छा है माहौल-पर्यटक

एक अन्य पर्यटक ने बताया कि वे तीसरी बार पहलगाम आए हैं और अब पहले से माहौल ओर अच्छा हो गया है। उन्होंने बताया कि स्थानीय लोग बहुत सपोर्टिव हैं और हर तरह से मदद कर रहे हैं। उनका बोलने का लहजा बहुत प्यारा है और नए साल को देखते हुए देश के अलग-अलग राज्यों से पर्यटक बर्फबारी का मजा लेने के लिए कश्मीर पहुंच रहे हैं और सुंदर वादियों के नजारों का लुफ्त भी उठा रहे हैं।

पहलगाम हमले के बाद पर्यटन पर पड़ा था भारी प्रभाव

पहलगाम हमले के बाद जम्मू और कश्मीर के पर्यटन पर बड़ा प्रभाव पड़ा था। जम्मू और कश्मीर का मुख्य व्यवसाय ही पर्यटन है, यहां की दुकानों से लेकर होटल तक पर्यटकों के आने पर ही चलते हैं। ऑफ सीजन में स्थानीय लोगों की कमाई कम होती है, लेकिन बर्फबारी के सीजन में घाटी और स्थानीय लोगों के चेहरों पर अलग ही मुस्कान आ जाती है।

बांग्लादेशी हिंदुओं की रक्षा की मांग कर रहे थे भारतीय

फिर करतूत...लंदन में खालिस्तानियों का हुड़दंग, भारत विरोधी नारे लगाए

एजेंसी ▶▶ लंदन

लंदन स्थित बांग्लादेश हाई कमीशन के बाहर हिंदू समुदाय के एक प्रदर्शन में खालिस्तानी समर्थकों ने हुड़दंग मचाया। भारतीय और बांग्लादेशी हिंदू बांग्लादेश में बढ़ रहे हिंदुओं की मौत और हिंसा से जुड़े मामलों को लेकर 27 दिसंबर को प्रदर्शन कर रहे थे।

इसी बीच 'सिख फॉर जस्टिस' संगठन एसएफजे से जुड़े खालिस्तानी कार्यकर्ताओं ने वहां आकर भारत विरोधी नारे लगाए और खालिस्तानी झंडे लहराए। खालिस्तानियों के हाथ में पोस्टर थे, जिन पर 'शहीद निज्जर' शहीद हादी एसेसिनेशनंस बाय मोदी' लिखा

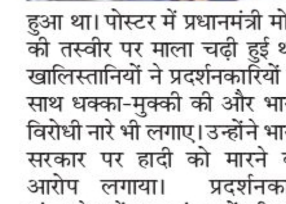

हुआ था। पोस्टर में प्रधानमंत्री मोदी की तस्वीर पर माला चढ़ी हुई थी। खालिस्तानियों ने प्रदर्शनकारियों के साथ धक्का-मुक्की की और भारत विरोधी नारे भी लगाए। उन्होंने भारत सरकार पर हादी को मारने का आरोप लगाया। प्रदर्शनकारी बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की रक्षा की मांग कर रहे थे। वे भारत से बॉर्डर खोलने की अपील कर रहे थे ताकि बांग्लादेशी हिंदू हिंसा से बचकर भारत आ सकें।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

सुदर्शनचक्र से ड्रोन युद्ध तक: बदलते युद्धकाल में भारत की सैन्य रणनीति

भारत अपनी सैन्य ताक़त को लगातार मज़बूत करने की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। थलसेना, वायुसेना और नौसेना तीनों में आधुनिक हथियारों और तकनीकों को शामिल किया जा रहा है, ताकि बदलते वैश्विक सुरक्षा माहौल में देश अपनी सीमाओं और संप्रभुता की प्रभावी रक्षा कर सके। हाल के वर्षों में कई अहम हथियार प्रणालियों का सफल परीक्षण इसी रणनीति का हिस्सा है। हाल ही में गोपनीय पनडुब्बी-प्रक्षेपित बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया गया, जो परमाणु क्षमता से लैस के-4 मिसाइल थी। इसे अरिहंत-क्लास परमाणु पनडुब्बी से लॉन्च किया गया, जिससे भारत की समुद्री निवारक क्षमता को नई मजबूती मिली है। यह परीक्षण भारत की सेकंड-स्ट्राइक क्षमता को विश्वसनीय बनाता है और रणनीतिक संतुलन में उसकी स्थिति को और मज़बूत करता है। इसके साथ ही आकाश मिसाइल डिफेंस सिस्टम के एडवांस्ड वर्ज़न आकाश नेक्स्ट जेनरेशन यानी आकाश-एनजी का सफल परीक्षण भी हुआ, जिसने दुनिया का ध्यान भारत की एयर डिफेंस क्षमता की ओर खींचा। यह सिस्टम तेज़ी से आने वाले हवाई खतरों को बेहद सटीकता के साथ नष्ट करने में सक्षम है। इसी कड़ी में वायुसेना ने रूस से मिले एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम की पहली आधिकारिक तस्वीर जारी कर इसे "दिशा 2026" कैलेंडर में शामिल किया। एस-400 को भारत में सुदर्शनचक्र के नाम से जाना जाता है और इसे एयर डिफेंस आर्किटेक्चर में एक नए युग की शुरुआत माना जा रहा है। एस-400 सुदर्शन ने हवाई खतरों को बेअसर करने की अपनी क्षमता और हालिया सैन्य अभियानों के दौरान साबित परफॉर्मेंस से यह दिखा दिया है कि भारत का एयर डिफेंस अब कहीं ज़्यादा मज़बूत और भरोसेमंद हो चुका है। इसके शामिल होने से वायुसेना की निवारक शक्ति, प्रतिक्रिया समय और भारतीय हवाई क्षेत्र पर नियंत्रण में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। यह सिस्टम फाइटर जेट, यूएवी, क्रूज़ मिसाइल और बैलिस्टिक मिसाइल जैसे कई तरह के हवाई खतरों को लंबी दूरी से पहचानने, ट्रैक करने और नष्ट करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। मल्टी-लेयर्ड एंगेजमेंट क्षमता और हाई-प्रिसिशन टारगेटिंग के कारण इसे दुनिया के सबसे ताक़तवर एयर डिफेंस प्लेटफॉर्म में गिना जाता है। हालांकि, इतनी उन्नत क्षमताओं के बावजूद भारत के सामने चुनौती यहीं खत्म नहीं होती। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि भविष्य के युद्ध केवल बड़े और महंगे हथियारों से नहीं जीते जाएंगे। आज छोटे ड्रोन, लोइटरिंग म्यूनिशन, ऑटोनॉमस ग्राउंड व्हीकल और रोबोटिक सिस्टम युद्ध की तस्वीर को तेज़ी से बदल रहे हैं। हालिया वैश्विक संघर्षों से यह साफ़ हो चुका है कि कुछ हज़ार डॉलर के सस्ते हथियार लाखों डॉलर के महंगे प्लेटफॉर्म को तबाह करने की ताक़त रखते हैं। यूक्रेन युद्ध में ड्रोन स्वार्म के ज़रिये रूस के बॉम्बर और फाइटर जेट्स को नुकसान पहुंचाया गया, जबकि इज़राइल ने भी ईरान के भीतर सटीक और तकनीक-आधारित हमलों से दुश्मनों को चौंकाया। यूक्रेन, ग़ाज़ा, रेड सी और नागोर्नो-कराबाख जैसे संघर्ष क्षेत्रों ने यह साबित कर दिया है कि युद्ध का मॉडल बदल चुका है।

रायपुर में पुलिस कमिश्नरी प्रणाली लागू होना छत्तीसगढ़ के शहरी प्रशासन और आधुनिक पुलिसिंग के इतिहास का निर्णायक मोड़

-तेज़ शहरीकरण, बढ़ते अपराध और त्वरित निर्णयों की ज़रूरत ने पुलिसिंग ढांचे में सुधार अनिवार्य बनाया

छत्तीसगढ़ आज जिस दौर से गुजर रहा है, वह केवल राजनीतिक या आर्थिक बदलाव का नहीं, बल्कि शहरी प्रशासन, कानून-व्यवस्था और नागरिक सुरक्षा के चरित्र में निर्णायक परिवर्तन का दौर है। राजधानी रायपुर में पुलिस कमिश्नरी प्रणाली लागू करने की प्रक्रिया इसी परिवर्तन की ठोस अभिव्यक्ति है। यह छत्तीसगढ़ के इतिहास में पहली बार होने जा रहा ऐसा प्रशासनिक प्रयोग है, जो यदि दूरदर्शिता, विधायी स्पष्टता और संस्थागत संतुलन के साथ लागू हुआ, तो राज्य के शहरी शासन की दिशा और दशा—दोनों को नई पहचान दे सकता है।

शहरीकरण की तेज़ रफ्तार और नई चुनौतियाँ

पिछले एक दशक में भारत के शहरों का आकार, जनसंख्या और सामाजिक गतिशीलता अभूतपूर्व गति से बढ़ी है। रायपुर भी इस प्रवृत्ति से अछूता नहीं रहा। राजधानी बनने के बाद से यहां आवास, व्यापार, परिवहन और औद्योगिक गतिविधियों का तेज़ विस्तार हुआ है। इस विस्तार ने अवसर पैदा किए हैं, लेकिन साथ ही कई नई चुनौतियाँ भी सामने रखी हैं—यातायात का बढ़ता दबाव, भीड़-प्रबंधन की जटिलताएँ, संगठित अपराध के नए रूप, साइबर अपराध, नशीले पदार्थों की तस्करी, सार्वजनिक स्थलों पर कानून-व्यवस्था, और बड़े आयोजनों के दौरान सुरक्षा की संवेदनशीलता। इन परिस्थितियों में पारंपरिक जिला पुलिस व्यवस्था, जिसमें पुलिस और मजिस्ट्रेसी के अधिकार अलग-अलग हाथों में होते हैं, अक्सर समय-संवेदी स्थितियों में अपेक्षित गति से प्रतिक्रिया नहीं दे पाती। निर्णय में थोड़ी-सी देरी भी हालात को विस्फोटक बना सकती है। यही कारण है कि देश के अनेक बड़े शहरों ने पुलिसिंग के ढांचे में संरचनात्मक सुधार की राह चुनी है।

औपनिवेशिक ढांचा और बदलती ज़रूरतें

भारत की जिला-आधारित पुलिस व्यवस्था मूलतः औपनिवेशिक काल की देन है। उस समय शहर छोटे थे, आबादी सीमित थी और सामाजिक गतिविधियों का स्वरूप अपेक्षाकृत सरल था। तब यह व्यवस्था प्रभावी भी रही। लेकिन आज के महानगरों और तेजी से बढ़ते शहरी केंद्रों में अपराध के पैटर्न, सूचना की गति और भीड़ की प्रकृति पूरी तरह बदल चुकी है। आज कानून-व्यवस्था से जुड़े फैसलों में मिनटों का महत्व है। धारा 144 लागू करने, जुलूस-प्रदर्शन की अनुमति देने या रोकने, त्वरित प्रतिबंधात्मक कार्रवाई, लाइसेंसिंग और ट्रैफिक प्रबंधन जैसे मामलों में समन्वय की कमी कई बार प्रशासनिक अड़चनें पैदा करती है। इसी पृष्ठभूमि में इंदौर, भोपाल, मुंबई, दिल्ली, हैदराबाद, बेंगलुरु, अहमदाबाद और लखनऊ जैसे शहरों ने पुलिस कमिश्नरी प्रणाली को अपनाया। इन शहरों के अनुभव बताते हैं कि एकीकृत कमान से प्रतिक्रिया समय घटता है और जवाबदेही अधिक स्पष्ट होती है।

पुलिस कमिश्नरी प्रणाली का मूल दर्शन पुलिस कमिश्नरी प्रणाली का केंद्रीय विचार यह है कि शहर की कानून-व्यवस्था की पूरी जिम्मेदारी एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी—पुलिस आयुक्त—के पास हो। इस मॉडल में आयुक्त को वे मजिस्ट्रेटीय अधिकार भी दिए जाते हैं, जो सामान्यतः जिला मजिस्ट्रेट के पास होते हैं। इससे पुलिस और प्रशासन के बीच अधिकारों के विभाजन से पैदा होने वाली समन्वय की समस्या काफी हद तक कम हो जाती है। कमिश्नरेट मॉडल में आदेश देने और उनके क्रियान्वयन के बीच की दूरी घटती है। आपात स्थितियों में निर्णय तेज़ी से लिए जा सकते हैं और फील्ड में उनका प्रभावी पालन सुनिश्चित किया जा सकता है। यह मॉडल 'एक शहर, एक कमान' की अवधारणा पर आधारित है, जिसमें जिम्मेदारी स्पष्ट और निर्णय-प्रक्रिया सुगठित होती है।

रायपुर: छत्तीसगढ़ का पहला बड़ा प्रयोग

रायपुर में पुलिस कमिश्नरी प्रणाली लागू करने की घोषणा केवल एक प्रशासनिक सूचना नहीं है, बल्कि यह छत्तीसगढ़ में शहरी पुलिस सुधार की दिशा में पहला ठोस कदम है। पुलिस मुख्यालय द्वारा गठित समिति ने अन्य राज्यों के अनुभवों का गहन अध्ययन कर रायपुर के लिए एक 'हाइब्रिड मॉडल' का सुझाव दिया है। इस मॉडल में कानून-व्यवस्था, ट्रैफिक, साइबर अपराध, आर्थिक अपराध और विशेष शाखाओं का एकीकृत संचालन प्रस्तावित है। इसका उद्देश्य केवल अधिकारों का केंद्रीकरण नहीं, बल्कि विशेषज्ञता का बेहतर उपयोग और संसाधनों का कुशल प्रबंधन है। उदाहरण के लिए, साइबर अपराध के बढ़ते मामलों को देखते हुए अलग से सशक्त इकाई, ट्रैफिक के लिए डेटा-आधारित प्रबंधन और आर्थिक अपराधों के लिए विशिष्ट जांच तंत्र—ये सभी पहलू इस मॉडल का हिस्सा हैं।

समय-सीमा और विधायी तैयारी

प्रारंभ में 1 नवंबर को कमिश्नरी प्रणाली लागू करने का लक्ष्य रखा गया था, लेकिन यह समय-सीमा पूरी नहीं हो सकी। इसे विफलता के रूप में देखने के बजाय एक सकारात्मक संकेत के रूप में देखा जाना चाहिए। राज्य सरकार ने स्पष्ट किया है कि वह इस प्रणाली को केवल कार्यकारी आदेश से नहीं, बल्कि मजबूत विधायी आधार के साथ लागू करना चाहती है। इसके लिए पुलिस अधिनियम, आपराधिक प्रक्रिया संहिता में आवश्यक संशोधन, और कलेक्टर तथा पुलिस आयुक्त के बीच अधिकार-सीमा का स्पष्ट निर्धारण अनिवार्य है। बिना कानूनी स्पष्टता के लागू किया गया कोई भी सुधार लंबे समय तक टिकाऊ नहीं होता। विधायी तैयारी यह सुनिश्चित करेगी कि भविष्य में अधिकारों को लेकर टकराव न हो और प्रणाली सुचारु रूप से काम करे।

संभावित लाभ: गति, जवाबदेही और विश्वास

पुलिस कमिश्नरी प्रणाली के कई संभावित लाभ हैं। सबसे बड़ा लाभ है—निर्णय लेने और अमल के बीच की गति। जब एक ही अधिकारी के पास आवश्यक अधिकार होते हैं, तो स्थिति का आकलन, आदेश जारी करना और कार्रवाई—तीनों एक सुसंगत ढांचे में होते हैं। दूसरा महत्वपूर्ण पहलू है जवाबदेही। जब कानून-व्यवस्था की पूरी जिम्मेदारी पुलिस आयुक्त के पास होती है, तो सफलता और विफलता—दोनों के लिए उत्तरदायित्व भी स्पष्ट होता है। इससे संस्थागत पारदर्शिता बढ़ती है। तीसरा लाभ नागरिकों के विश्वास से जुड़ा है। त्वरित कार्रवाई, बेहतर ट्रैफिक प्रबंधन, सुरक्षित सार्वजनिक स्थल और प्रभावी अपराध नियंत्रण—ये सभी नागरिकों में सुरक्षा की भावना को मजबूत करते हैं।

आशंकाएँ और संतुलन की ज़रूरत

हर बड़े सुधार के साथ कुछ आशंकाएँ भी जुड़ी होती हैं। पुलिस कमिश्नरी प्रणाली में अधिकारों के केंद्रीकरण को लेकर यह चिंता जताई जाती है कि कहीं इससे शक्ति का अत्यधिक संकेन्द्रण न हो जाए। नागरिक स्वतंत्रता, अभिव्यक्ति की आज़ादी और शांतिपूर्ण विरोध के अधिकार—इन सबका संरक्षण लोकतांत्रिक व्यवस्था की आत्मा है। इसीलिए यह आवश्यक है कि कमिश्नरी प्रणाली के साथ मजबूत निगरानी तंत्र भी विकसित किया जाए। विधायिका, न्यायपालिका और स्वतंत्र शिकायत निवारण संस्थाओं की भूमिका यहां महत्वपूर्ण होगी। स्पष्ट नियम, लिखित प्रक्रियाएँ और नियमित ऑडिट—ये सभी संतुलन बनाए रखने में सहायक हो सकते हैं।

कलेक्टर और पुलिस आयुक्त: समन्वय का नया मॉडल

कमिश्नरी प्रणाली में एक महत्वपूर्ण प्रश्न कलेक्टर और पुलिस आयुक्त के बीच संबंधों को लेकर होता है। प्रशासनिक विकास, राजस्व, आपदा प्रबंधन और सामाजिक कल्याण जैसे विषय कलेक्टर के दायरे में रहते हैं, जबकि कानून-व्यवस्था पुलिस आयुक्त के अधीन होती है। स्पष्ट अधिकार-सीमा और नियमित समन्वय बैठकें इस व्यवस्था की सफलता की कुंजी होंगी। दोनों पदों के बीच प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि सहयोग की भावना आवश्यक है। जब प्रशासनिक और पुलिस नेतृत्व एक साझा दृष्टि के साथ काम करेंगे, तभी शहरी शासन प्रभावी बन पाएगा।

प्रशिक्षण और संसाधन: सफलता की बुनियाद

किसी भी नई प्रणाली की सफलता केवल ढांचे से नहीं, बल्कि उसे लागू करने वाले मानव संसाधन से तय होती है। पुलिस कमिश्नरी प्रणाली के लिए अधिकारियों और कर्मचारियों का विशेष प्रशिक्षण आवश्यक है। आधुनिक तकनीक, डेटा एनालिटिक्स, साइबर फॉरेंसिक्स, भीड़-प्रबंधन और संवाद कौशल—इन सभी क्षेत्रों में क्षमता निर्माण जरूरी होगा। इसके साथ ही पर्याप्त संसाधन—वाहन, संचार प्रणाली, निगरानी उपकरण और डिजिटल प्लेटफॉर्म—भी उपलब्ध कराने होंगे। बिना संसाधनों के अधिकार केवल कागज़ी रह जाते हैं।

भविष्य की दिशा: छत्तीसगढ़ के अन्य शहर

ब्लू हाउस में सत्ता की वापसी से दक्षिण कोरिया की राजनीति में परंपरा, स्थिरता और नए राजनीतिक संकेतों का आरंभ

-राष्ट्रपति ली जे म्युंग ने तीन साल बाद पारंपरिक राष्ट्रपति भवन से आधिकारिक कामकाज शुरू किया

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग द्वारा पारंपरिक राष्ट्रपति भवन 'चोंग वा डे', जिसे दुनिया भर में 'ब्लू हाउस' के नाम से जाना जाता है, से आधिकारिक रूप से कामकाज शुरू करना केवल एक प्रशासनिक निर्णय नहीं है, बल्कि यह देश की राजनीति, लोकतांत्रिक परंपराओं और सत्ता के प्रतीकों में बड़े बदलाव का संकेत है। तीन वर्षों से अधिक समय बाद किसी राष्ट्रपति की ब्लू हाउस में वापसी ने दक्षिण कोरिया की आंतरिक राजनीति और शासन व्यवस्था पर एक नई बहस छेड़ दी है।

ब्लू हाउस: सत्ता का ऐतिहासिक प्रतीक

ब्लू हाउस दक्षिण कोरिया का वही स्थान है, जैसा अमेरिका के लिए व्हाइट हाउस या भारत के लिए राष्ट्रपति भवन। सियोल के केंद्र में स्थित यह भवन दशकों से राष्ट्रपति सत्ता का केंद्र रहा है। इसकी नीली छत की टाइलों के कारण इसे 'ब्लू हाउस' कहा जाता है। यह भवन न केवल राष्ट्रपति का कार्यालय रहा है, बल्कि यहां से देश की विदेश नीति, सुरक्षा नीति और आर्थिक दिशा तय होती रही है। दक्षिण कोरिया के कई ऐतिहासिक फैसले, उत्तर कोरिया से जुड़े संवाद, अमेरिका के साथ सैन्य गठबंधन और आर्थिक सुधारों की रूपरेखा इसी परिसर में बनी। ऐसे में ब्लू हाउस से कामकाज का अर्थ हमेशा से सत्ता की निरंतरता और परंपरा से जुड़ा रहा है।

यून सुक येओल का फैसला और विवाद

पूर्व राष्ट्रपति यून सुक येओल ने अपने कार्यकाल की शुरुआत में एक बड़ा और विवादास्पद फैसला लिया था। उन्होंने राष्ट्रपति कार्यालय को ब्लू हाउस से हटाकर रक्षा मंत्रालय परिसर की एक परिवर्तित इमारत में स्थानांतरित कर दिया। यून का तर्क था कि ब्लू हाउस अत्यधिक "शाही सत्ता" का प्रतीक बन चुका है और इसे जनता के लिए खोलना लोकतंत्र को मजबूत करेगा। इस फैसले के तहत यून ने ब्लू हाउस के कई हिस्सों को आम जनता के लिए पर्यटन स्थल के रूप में खोल दिया। देखते ही देखते लाखों पर्यटक यहां आने लगे। एक ओर इसे सत्ता के केंद्रीकरण को तोड़ने का प्रयास बताया गया, तो दूसरी ओर आलोचकों ने इसे राष्ट्रीय सुरक्षा और प्रशासनिक स्थिरता के लिए जोखिमपूर्ण कदम करार दिया।

सुरक्षा और प्रशासनिक चुनौतियां

रक्षा मंत्रालय परिसर से राष्ट्रपति कार्यालय संचालित करने को लेकर कई व्यावहारिक समस्याएं सामने आईं। सुरक्षा व्यवस्था, यातायात बाधाएं और सैन्य गतिविधियों के साथ राष्ट्रपति दायित्वों के टकराव ने आलोचकों को और मुखर कर दिया। विशेषज्ञों का मानना था कि रक्षा मंत्रालय का परिसर राष्ट्रपति कार्यालय के लिए मूल रूप से डिजाइन नहीं किया गया था। इसके अलावा, ब्लू हाउस जैसी ऐतिहासिक और प्रतीकात्मक जगह से दूरी ने राष्ट्रपति पद की गरिमा और परंपरा पर भी सवाल खड़े किए। यही कारण रहा कि यून सुक येओल के इस फैसले को लेकर देश में लगातार राजनीतिक बहस चलती रही।

ली जे म्युंग का उदय और सत्ता परिवर्तन

पूर्व राष्ट्रपति यून के पद से हटाए जाने के बाद जून में हुए अचानक राष्ट्रपति चुनाव ने दक्षिण कोरिया की राजनीति को झकझोर दिया। इन चुनावों में ली जे म्युंग ने जीत हासिल की। सत्ता संभालते ही उन्होंने संकेत दे दिए थे कि वे राष्ट्रपति कार्यालय को फिर से ब्लू हाउस में वापस लाने पर गंभीरता से विचार करेंगे। हालांकि यह प्रक्रिया तत्काल नहीं हुई। ब्लू हाउस को पर्यटन स्थल में बदलने के बाद उसे फिर से उच्च सुरक्षा वाले राष्ट्रपति परिसर में तब्दील करना एक जटिल और समय लेने वाला काम था। सुरक्षा ढांचे को पुनर्गठित करना, प्रशासनिक कार्यालयों को तैयार करना और प्रोटोकॉल को फिर से लागू करना जरूरी था।

सोमवार का ऐतिहासिक दिन

सोमवार को राष्ट्रपति ली जे म्युंग ने आधिकारिक तौर पर ब्लू हाउस से अपना कामकाज शुरू किया। यह क्षण केवल औपचारिक नहीं था, बल्कि प्रतीकात्मक रूप से बेहद महत्वपूर्ण था। नौ मई 2022 के बाद यह पहली बार था जब किसी राष्ट्रपति ने ब्लू हाउस का दौरा किया। वही तारीख पूर्व राष्ट्रपति मून जे इन के कार्यकाल का अंतिम दिन थी। इस प्रकार लगभग तीन वर्षों के अंतराल के बाद ब्लू हाउस एक बार फिर दक्षिण कोरिया की सत्ता का केंद्र बन गया।

परंपरा बनाम परिवर्तन की बहस

ली जे म्युंग के इस फैसले को लेकर दक्षिण कोरिया में दो तरह की प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। समर्थकों का कहना है कि ब्लू हाउस में वापसी से राष्ट्रपति पद की गरिमा बहाल हुई है और प्रशासनिक कार्य अधिक सुचारू ढंग से चल पाएंगे। उनका मानना है कि कुछ प्रतीकों को बनाए रखना भी लोकतंत्र का हिस्सा होता है। वहीं आलोचक इसे पीछे की ओर कदम मान रहे हैं। उनका कहना है कि यून सुक येओल का फैसला सत्ता को जनता के करीब लाने की दिशा में था, जबकि ब्लू हाउस में वापसी से राष्ट्रपति फिर से एक बंद परिसर में सिमट जाएंगे।

जनता की भावनाएं और पर्यटन का सवाल

ब्लू हाउस को आम जनता के लिए खोलना यून सरकार का एक लोकप्रिय कदम रहा था। लाखों लोगों ने इस ऐतिहासिक परिसर को देखा, तस्वीरें खिंचवाईं और इसे अपने लोकतंत्र की जीत के रूप में देखा। अब जब राष्ट्रपति कार्यालय फिर से यहां आ गया है, तो सवाल उठ रहा है कि क्या पर्यटन पूरी तरह बंद कर दिया जाएगा या सीमित रूप में जारी रहेगा। ली सरकार ने संकेत दिए हैं कि सुरक्षा और प्रशासनिक जरूरतों को प्राथमिकता दी जाएगी, लेकिन जनता से पूरी तरह दूरी नहीं बनाई जाएगी। आने वाले समय में इस पर स्पष्ट नीति सामने आने की संभावना है।

राजनीतिक संदेश और भविष्य की दिशा

ब्लू हाउस से कामकाज शुरू करना ली जे म्युंग का पहला बड़ा प्रतीकात्मक कदम माना जा रहा है। इससे उन्होंने यह संदेश दिया है कि वे स्थिरता, परंपरा और संस्थागत मजबूती को महत्व देते हैं। यह फैसला उनके शासन के बाकी निर्णयों की दिशा भी तय कर सकता है।

नया साल, नई उम्मीदें और नए संकल्प: सीख, संतुलन, विवेक और सावधानी के साथ आगे बढ़ने की ज़रूरत

-अतीत से सबक लेकर जिम्मेदार सोच, संतुलित सपनों और सुरक्षित भविष्य की ओर नई उड़ान जरूरी

साल 2025 अब अपने अंतिम पड़ाव पर खड़ा है। कुछ ही दिनों में यह वर्ष इतिहास के पन्नों में दर्ज हो जाएगा। यह साल अपने साथ नतीजों, समस्याओं, उलझनों, उपलब्धियों और अनुभवों का एक बड़ा पुलिंदा छोड़कर जा रहा है। देश और दुनिया ने बीते बारह महीनों में राजनीति, कूटनीति, अर्थव्यवस्था, विज्ञान, तकनीक, समाज और मानव संबंधों के स्तर पर कई तरह के उतार-चढ़ाव देखे। कहीं युद्ध की आशंकाएँ रहीं, कहीं शांति की कोशिशें, कहीं आर्थिक संकट तो कहीं विकास की नई संभावनाएँ दिखाई दीं। हर साल की तरह 2025 भी हमें यह एहसास कराकर जा रहा है कि समय कभी ठहरता नहीं। वह निरंतर चलता रहता है। जो कुछ आज वर्तमान है, वह कल अतीत बन जाएगा। लेकिन अतीत सिर्फ़ यादों का बोझ नहीं होता, वह हमें सिखाता है, सावधान करता है और आगे का रास्ता दिखाता है। यदि हम चाहें, तो 2025 से बहुत कुछ सीख सकते हैं।

अतीत से सीखने की ज़रूरत

इतिहास गवाह है कि जो समाज और व्यक्ति अपने अतीत से सीखते हैं, वही भविष्य को बेहतर बना पाते हैं। 2025 ने हमें यह बताया कि केवल योजनाएँ बनाना ही काफ़ी नहीं होता, बल्कि उन्हें ज़मीन पर उतारना ज़्यादा मुश्किल और ज़्यादा ज़रूरी होता है। इस साल हमने देखा कि कई बड़ी योजनाएँ काग़ज़ों तक सीमित रहीं, तो कुछ छोटे-छोटे प्रयासों ने बड़ा असर डाला। अतीत यह भी सिखाता है कि हर नई शुरुआत अपने साथ चुनौतियाँ लेकर आती है। नई उड़ान तभी सफल होती है, जब उसके साथ सावधानी, समझदारी और विवेक जुड़ा हो। बिना दिशा और बिना तैयारी के भरी गई उड़ान अक्सर दुर्घटना में बदल जाती है।

नया साल केवल कैलेंडर बदलने का नाम नहीं

हर नया साल अपने साथ उम्मीदें लेकर आता है। हम एक-दूसरे को शुभकामनाएँ देते हैं, ग्रीटिंग्स भेजते हैं, नए संकल्प लेते हैं। लेकिन अक्सर यह सब कुछ औपचारिकता बनकर रह जाता है। कुछ दिन उत्साह रहता है, फिर वही पुरानी आदतें, वही लापरवाही, वही टालमटोल। असल में नया साल केवल तारीख़ बदलने का नाम नहीं है। यह सोच बदलने का मौका है। यह अपने जीवन की दिशा पर दोबारा विचार करने का अवसर है। यह पूछने का समय है कि हम कहाँ थे, कहाँ हैं और कहाँ पहुँचना चाहते हैं।

संकल्प का सही अर्थ

नए साल पर संकल्प लेना एक अच्छी परंपरा है, लेकिन संकल्प का मतलब सिर्फ़ इच्छा जताना नहीं होता। संकल्प का अर्थ है—हर हाल में अपने लक्ष्य को पाने की ठान लेना। चाहे कितनी ही बार असफलता मिले, कोशिश जारी रखना। मनोवैज्ञानिकों और साधकों का मानना है कि किसी भी इंसान का व्यवहार, उसकी सोच, उसकी धारणाएँ और उसकी मान्यताएँ ही उसके हालात बनाती हैं। जैसा हम सोचते हैं, वैसा ही हमारा जीवन आकार लेने लगता है। यदि सोच सकारात्मक है, तो हालात भी धीरे-धीरे अनुकूल होने लगते हैं।

सद्‌गुणों की भूमिका

यदि किसी व्यक्ति के भीतर विनम्रता, दया, करुणा, सहिष्णुता, अहिंसा, प्रेम और सत्य जैसे सद्‌गुण मौजूद हैं, तो वह न तो किसी के साथ अन्याय कर सकता है और न ही संवेदनहीन हो सकता है। नए साल का सबसे बड़ा संकल्प यही होना चाहिए कि हम अपने भीतर इन सद्‌गुणों को मज़बूत करें। आज की तेज़ रफ्तार ज़िंदगी में हम अक्सर इंसानियत को पीछे छोड़ देते हैं। प्रतिस्पर्धा, स्वार्थ और दिखावे की दौड़ में हम भूल जाते हैं कि जीवन का असली मकसद केवल सफलता नहीं, बल्कि संतुलन और संतोष भी है।

प्रकृति से प्रेरणा

प्रकृति हमें हर पल सिखाती है। नदी बहते-बहते रास्ता बदल लेती है, लेकिन रुकती नहीं। पेड़ आँधी-तूफ़ान झेलता है, लेकिन अपनी जड़ें नहीं छोड़ता। सूरज रोज़ उगता है, चाहे बादल हों या अंधेरा। यदि हम प्रकृति से यह सीख लें कि संघर्ष के बावजूद आगे बढ़ते रहना है, तो कोई भी मंज़िल दूर नहीं। एक बार यदि मन में यह निश्चय कर लिया जाए कि चाहे जितनी मेहनत करनी पड़े, पीछे नहीं हटना है, तो दुनिया की कोई ताक़त उस संकल्प को तोड़ नहीं सकती।

इच्छा-शक्ति और निर्णय-शक्ति

महान विचारक बिस्मार्क ने कहा था कि इंसान को आगे बढ़ाने के लिए इच्छा-शक्ति और निर्णय-शक्ति दोनों का होना ज़रूरी है। केवल चाहने से कुछ नहीं होता, जब तक उस चाह को निर्णय और कर्म में न बदला जाए। साथ ही यह भी ज़रूरी है कि हमारी संकल्प-शक्ति इतनी मज़बूत हो कि वह विकल्पों में न बदल जाए। आज का इंसान अक्सर दुविधा में जीता है—करूँ या न करूँ, आगे बढ़ूँ या रुक जाऊँ। यही दुविधा उसे पीछे खींच लेती है।

बुद्धि और विवेक का संतुलन

बुद्धि और विवेक का इस्तेमाल करते समय बहुत सावधानी ज़रूरी है। यह समझना आवश्यक है कि हमारा मित्र कौन है और शत्रु कौन। हर मीठी बात सच नहीं होती और हर कड़वी बात ग़लत नहीं। तर्क-शक्ति से समझ बढ़ती है। इसी से हम अपने देखे हुए सपनों को हक़ीक़त में बदल पाते हैं। लेकिन तर्क के साथ संवेदना भी ज़रूरी है, वरना इंसान केवल मशीन बनकर रह जाता है।

स्वभाव और व्यवहार की समीक्षा

नए साल से पहले अपने स्वभाव, आदतों और व्यवहार को आत्मचिंतन के तराज़ू पर तौलना चाहिए। क्या हम ज़रूरत से ज़्यादा क्रोध करते हैं? क्या हम दूसरों की बात सुनते हैं? क्या हम गलती स्वीकार करने का साहस रखते हैं? यदि हम इन सवालों के जवाब ईमानदारी से दें, तो एक बेहतर भविष्य का निर्माण संभव है।

परिवर्तन अनिवार्य है, लेकिन अंधा नहीं

परिवर्तन जीवन का नियम है।

रामजल सेतु लिंक परियोजना सहित अन्य कार्यों में लाएं तेजी - भजनलाल शर्मा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रदेश को जल क्षेत्र में पूर्ण आत्मनिर्भर बनाना राज्य सरकार की शीर्ष प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से सरकार ने कार्यकाल की शुरुआत से ही अनेक महत्वपूर्ण जल एवं सिंचाई परियोजनाओं की पहल की है ताकि प्रदेशवासियों को पर्याप्त जल उपलब्धता सुनिश्चित हो सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि रामजल सेतु लिंक परियोजना सहित अन्य कार्यों में और तेजी लाई जाए। मुख्यमंत्री शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित जल संसाधन विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आमजन और किसानों तक जल की उपलब्धता बढ़ाने के लिए राज्य सरकार पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। सिंचाई परियोजनाओं एवं विकास कार्यों को नियमित मॉनिटरिंग के माध्यम से समयबद्ध रूप से पूर्ण किया जाए।

रामजल सेतु लिंक परियोजना के कार्यों में आए तेजी—

शर्मा ने कहा कि राज्य के समग्र विकास में जल एक मूलभूत

आवश्यकता है। इसी दृष्टि से सरकार ने जल स्रोतों के विकास, उनकी संग्रहण क्षमता बढ़ाने तथा जल प्रबंधन को सुदृढ़ करने से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। उन्होंने कहा कि रामजल सेतु लिंक परियोजना के माध्यम से प्रदेश की बड़ी आबादी को निर्बाध जलापूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। परियोजना के चरणबद्ध कार्यों को निर्धारित कार्ययोजना के अनुरूप पूर्ण करने के लिए संबंधित अधिकारी पूर्ण जिम्मेदारी के साथ कार्य करें। बैठक में जल संसाधन विभाग के अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि परियोजना के अन्तर्गत लगभग 9400 करोड़ रुपये की लागत के 3 प्रगतिरत कार्यों में से रामगढ बैराज एवं महलपुर बैराज के काफर डेम एवं ड्रेनेज चैनल का कार्य पूर्ण किया जा चुका है। नवनेरा बैराज से पानी को बीसलपुर एवं ईसरदा बांध में अपवर्तन करने के लिए चम्बल नदी पर एक्वाडेक्ट तथा मेज से गलवा, गलवा से ईसरदा बीसलपुर फीडर के कार्य भी प्रगतिरत हैं। उन्होंने बताया कि रामजल सेतु परियोजना के अन्तर्गत बीसलपुर से मोर सागर (अजमेर), ईसरदा से बंध बारैठा (भरतपुर), ईसरदा से रामगढ (जयपुर), खुरा चैनपुरा से जयसमंद (अलवर) एवं ब्राह्मणी बैराज के लगभग 14 हजार 600 करोड़ रुपये के पांच कार्य भी शीघ्र आरम्भ किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को अन्य परियोजनाओं के संबंध में भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान जल संसाधन विभाग एवं मुख्यमंत्री कार्यालय के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

नववर्ष पर समर्पण संस्था का उत्कृष्ट जीवन पर व्याख्यान 02 जनवरी को

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मानवता व परोपकार के लिए समर्पित समर्पण संस्था द्वारा नववर्ष पर "21 वीं सदी में उत्कृष्ट जीवन जीने की कला " विषयक व्याख्यान कार्यक्रम 02 जनवरी को अपराह्न 3 से 6 बजे तक राज्य कृषि प्रबन्ध संस्थान दुर्गापुरा स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के पोस्टर का विमोचन संस्था पदाधिकारियों ने कार्यालय में किया। इस अवसर पर संस्थापक अध्यक्ष आर्किटेक्ट डॉ. दौलत राम माल्या, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सी.एल. वर्मा, सचिव कमल नयन खण्डेलवाल, उपाध्यक्ष हीरालाल बैरवा व बनवारी लाल मेहरडा, संयुक्त सचिव श्रीमती नीरू शर्मा उपस्थित रहे। व्याख्यान में मुख्य

अतिथि पूर्व राज्यसभा सांसद राम कुमार वर्मा होंगे तथा अध्यक्षता पूर्व जिला न्यायाधीश व स्थाई लोक अदालत चूरू की अध्यक्ष श्रीमती इन्द पारीक करेंगी । मुख्य वक्ता संस्था के संस्थापक अध्यक्ष आर्किटेक्ट डॉ. दौलत राम माल्या पीपीटी प्रजेन्टेशन द्वारा विषय पर व्याख्यान देंगे। कार्यक्रम में वर्ष 2026 में संस्था द्वारा आयोजित होने वाले कार्यक्रमों का तिथिवार कैलेंडर भी जारी किया जायेगा । कार्यक्रम में अनेक प्रतिष्ठित व्यक्तियों को विशेष आमंत्रित अतिथि व विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है ।

महिला सशक्तिकरण, शिल्प और संस्कृति का उत्सव मनाता सरस राजसखी राष्ट्रीय मेला 2025

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नव वर्ष के उल्लास के साथ जयपुर में आयोजित सरस राजसखी राष्ट्रीय मेला 2025 इन दिनों रंगों, रचनात्मकता और ग्रामीण हुनर की जीवंत मिसाल बनकर उभर रहा है। जैसे-जैसे नए साल की रौनक बढ़ रही है, वैसे-वैसे मेले का आकर्षण भी जयपुरवासियों को अपनी ओर खींच रहा है। देशभर से आई स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) की महिलाओं द्वारा लगाए गए स्टॉल अपनी अनूठी प्रस्तुति, सृजनशीलता और मेहनत की कहानी खुद बयां कर रहे हैं। मेले में भारतीय टेक्सटाइल की विविधता देखते ही बनती है। पारंपरिक और आधुनिक डिज़ाइन का खूबसूरत संगम यहां प्रदर्शित हो रहा है। रंग-बिरंगे परिधानों में सजी साड़ियां, आकर्षक दुपट्टे, सुरुचिपूर्ण सूट और सर्द मौसम के लिए उपयुक्त ऊनी वस्त्र महिलाओं को खास तौर पर लुभा रहे हैं। इन उत्पादों की गुणवत्ता, हस्तनिर्मित बारीक कारीगरी और किफायती मूल्य के चलते खरीदारी को लेकर आगंतुकों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। टेक्सटाइल के

साथ-साथ घर की सजावट से जुड़े हस्तशिल्प उत्पाद भी मेले का प्रमुख आकर्षण बने हुए हैं। मिट्टी, लकड़ी, कपड़े और प्राकृतिक सामग्री से तैयार सजावटी वस्तुएं लोगों के घरों में देसी सौंदर्य और आत्मीयता का अहसास जोड़ रही हैं। वहीं स्वास्थ्य के प्रति बढ़ती जागरूकता के चलते एसएचजी महिलाओं द्वारा तैयार किए गए ऑर्गेनिक स्नैक्स और पारंपरिक स्वादों से भरपूर खाद्य पदार्थ भी लोगों की पसंद बनते जा रहे हैं। सरस राजसखी राष्ट्रीय मेला केवल एक बाजार भर नहीं है, बल्कि यह ग्रामीण महिलाओं के सशक्तिकरण का सशक्त मंच भी है। यह मेला एसएचजी महिलाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने, आत्मनिर्भर बनने और आजीविका के नए अवसर सृजित करने का अवसर प्रदान कर रहा है। साथ ही, यहां उन्हें विपणन, प्रस्तुतीकरण और ग्राहक संवाद जैसे महत्वपूर्ण कौशल सीखने का भी अनुभव मिल रहा है, जो उनके भविष्य को और मजबूत बनाने में सहायक सिद्ध हो रहा है। मेले की सांस्कृतिक संध्याएं इस आयोजन को और भी जीवंत बना रही हैं। इसी कड़ी में केरल की पारंपरिक लोक कलाओं चंदा और नड़पट् की मनमोहक प्रस्तुतियों ने दर्शकों का दिल जीत लिया। तालबद्ध संगीत की गूंज और कलाकारों की ऊर्जावान प्रस्तुति ने पूरे वातावरण को सांस्कृतिक रंगों से सराबोर कर दिया, जिसे दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ सराहा। कुल मिलाकर, सरस राजसखी राष्ट्रीय मेला 2025 न केवल खरीदारी और मनोरंजन का केंद्र बना हुआ है, बल्कि यह भारतीय संस्कृति, शिल्प, परंपरा और महिला सशक्तिकरण का जीवंत उत्सव भी है, जो नए वर्ष की शुरुआत को खास और यादगार बना रहा है।

नगर निगम जयपुर सतर्कता शाखा की टीम ने 7 केन्टर सामान जब्त किए

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम जयपुर आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देशानुसार एवं पूर्व में प्राप्त शिकायतों के आधार पर मंगलवार को सतर्कता शाखा ने उपायुक्त सतर्कता के नेतृत्व में कार्रवाई की। यह कार्रवाई नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में बिरला मंदिर के सामने मोती डूंगरी तख्ते शाही रोड एवं जे.के. लोन अस्पताल क्षेत्र में की गई, जहां अस्थायी अतिक्रमण हटाया गया। अभियान के दौरान सतर्कता टीम ने 7 केंटर सामान जब्त कर निगम के गोदाम में भिजवाया। मौके पर मौजूद अतिक्रमणकारियों को समझाइश देते हुए भविष्य में समय पर अस्थायी अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए गए। उपायुक्त सतर्कता ने स्पष्ट किया कि आगे अवैध अतिक्रमण पाए जाने पर भारी चालान एवं सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

आरएसएमएम खनिज खनन में नवीनतम तकनीक का उपयोग करते हुए उत्पादन, वार्षिक कारोबार और लाभदायकता बढ़ाएं- मुख्य सचिव

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्य सचिव एवं चेयरमेन आरएसएमएम वी. श्रीनिवास ने राजस्थान स्टेट माइंस एवं मिनरल (आरएसएमएम) से खनिज खनन में नवीनतम तकनीक का उपयोग करते हुए उत्पादन, वार्षिक कारोबार और लाभदायकता बढ़ाने की आवष्यकता प्रतिपादित की है। उन्होंने कहा कि स्टील ग्रेड लाइमस्टोन और रॉक फास्फेट के उत्पादन में आरएसएमएम का समूचे देष में लगभग एकाधिकार है। हमें इस एकाधिकार का लाभ उत्पादन व और अधिक कारोबार बढ़ाने में करना होगा। उन्होंने जिप्सम और लिग्नाइट का उत्पादन बढ़ाने पर जोर दिया। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास मंगलवार को सचिवालय के चिंतन कक्ष में आरएसएमएम की 75वीं वार्षिक साधारण सभा और संचालक मण्डल की 421 वीं बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने बताया कि आरएसएमएम द्वारा 35 लाख टन सालाना लाइम स्टोन का उत्पादन किया जा रहा है वहीं वर्ष 2024-25 में रॉक फास्फेट, लाइमस्टोन, जिप्सम और लिग्नाइट का 62 लाख टन उत्पादन किया

गया है। इस साल नवंबर माह तक 39 लाख टन खनिजों का उत्पादन किया जा चुका है। वी. श्रीनिवास ने आरएसएमएम के 50 वर्ष पूर्ण होने पर गतिविधियों पर आधारित एक फिल्म बनवाने और काफीटेबल बुक भी तैयार कराने को कहा। उन्होंने कहा कि खनन क्षेत्रों के विकास में भी आरएसएमएम को भागीदारी बढ़ानी होगी। प्रमुख सचिव माइंस टी. रविकान्त ने कहा कि आरएसएमएम को कार्यों में विविधीकरण करते हुए नए क्षेत्रों में भी संभावनाएं तलाशनी होगी। उन्होंने खनन सुरक्षा मानकों की पालना सुनिष्चित करते हुए उत्पादन और आक्रामक मार्केटिंग पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आरएसएमएम के पास खेती में उपयोगी रॉकफास्फेट के विपुल भण्डार होने के साथ ही जैसलमेर में स्टीलग्रेड लाइमस्टोन के प्रचुर भण्डार है। ऐसे में स्टील उद्योग में मांग और आपूर्ति बढ़ाने के प्रयास किए जाएं। आरएसएमएम की प्रबंध निदेषक प्रज्ञा केवलरमानी ने आरएसएमएम की गतिविधियों और प्रगति से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि आरएसएमएम के 50 साल पूरे होने पर स्वास्थ्य जांच, रक्तदान षिविर सहित अनेक कल्याणकारी गतिविधियों का संचालन किया जा रहा है। प्रतिवर्ष जनवरी में खेल प्रतियोगिता आयोजित करने और 26 जनवरी को पुरस्कार वितरण किया जाएगा।

वीरांगनाओं एवं वीर नारियों का किया गया सम्मान

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जोधपुर शहर में आयोजित पश्चिमी राजस्थान उद्योग हस्तशिल्प उत्सव के अंतर्गत मंगलवार को अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद की ओर से पूर्व सैनिकों के सम्मान में एक गरिमामयी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मेजर जनरल अनुराग छिब्बर, फ्लाइंग ऑफिसर नारायण सिंह जोधा, सीपीओ जबर सिंह, जीव-जंतु कल्याण बोर्ड अध्यक्ष जसवंत सिंह बिश्नोई तथा लघु उद्योग भारती के निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष घनश्याम ओझा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर अपने संबोधन में केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि भारत का इतिहास पराजय का नहीं, बल्कि पराक्रम, शौर्य और वीरता का प्रतीक रहा है। उन्होंने कहा कि सदियों से हमारे पूर्वजों ने देश की संस्कृति और अस्मिता की रक्षा के लिए आक्रांताओं से संघर्ष किया, किंतु दुर्भाग्यवश हमें लंबे समय तक पराजय का इतिहास पढ़ाया गया। जबकि सच्चाई यह है कि भारत की पहचान सदैव वीरता और साहस से रही है। शेखावत ने कहा कि वीर पुरुषों एवं वीरांगनाओं का सम्मान करना हमारी संस्कृति का अभिन्न अंग है। आज इस मंच से वीरांगनाओं एवं वीर नारियों का सम्मान केवल व्यक्तिगत सम्मान नहीं, बल्कि उन सभी मौन राष्ट्र प्रहरियों के त्याग, धैर्य और समर्पण के प्रति कृतज्ञता है, जिन्होंने अपने प्रियजनों के बलिदान के बाद भी राष्ट्र की एकता और अखंडता की साधना

की है। उन्होंने कहा कि आज भारत जिस मुकाम पर खड़ा है, उसमें असंख्य वीर सैनिकों का योगदान और बलिदान निहित है। शेखावत ने मेजर शैतान सिंह सहित देश के लिए समर्पित सभी वीर सैनिकों को नमन करते हुए कहा कि सैनिकों का गौरवशाली इतिहास कर्तव्य, चरित्र निर्माण और संस्कारों की अमर गाथा है। केंद्रीय मंत्री ने आज के भारत को "नया भारत" बताते हुए कहा कि एक समय था जब देश सैन्य उपकरणों के लिए अन्य देशों पर निर्भर रहता था, लेकिन आज भारत रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर तेज़ी से अग्रसर है। उन्होंने कहा कि विश्व के अनेक देश आज भारत के सैन्य उपकरण खरीदने के लिए उत्सुक हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सशक्त नेतृत्व में जब-जब देश को चुनौती दी गई, तब-तब भारतीय सेनाओं ने सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक एवं ऑपरेशन सिंदूर जैसे अभियानों के माध्यम से दुश्मनों को करारा जवाब दिया।

सी.एस. चैलेंजर कप टूर्नामेंट 2025–26 का भव्य समापन

-चिकित्सा विभाग (डॉक्टर्स टीम) विजेता, सचिवालय टीम उपविजेता

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। एसएमएस स्टेडियम, जयपुर स्थित बैडमिंटन हॉल में आयोजित सी.एस. चैलेंजर कप टूर्नामेंट 2025–26 का समापन उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। टूर्नामेंट का शुभारंभ प्रातः 9:30 बजे मुख्य अतिथि मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास द्वारा किया गया। इस प्रतिष्ठित राज्य स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता में राजस्थान के विभिन्न विभागों में कार्यरत राजकीय गैजेटेड अधिकारियों ने भाग लिया। टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला 27 दिसंबर 2025 को खेला गया। फाइनल में सचिवालय टीम और चिकित्सा विभाग (डॉक्टर्स टीम) के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन और मजबूत तालमेल के दम पर चिकित्सा विभाग की टीम ने विजेता का खिताब हासिल किया, जबकि सचिवालय टीम उपविजेता रही। सचिवालय टीम की ओर से मनमोहन, निजी सचिव, प्रमुख शासन सचिव और सुशील माथुर, उप शासन सचिव (ऊर्जा मंत्री) ने प्रतिनिधित्व किया और मैच में उल्लेखनीय खेल भावना का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के दौरान अधिकारियों में खेल भावना, आपसी समन्वय और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहन मिला। समापन समारोह में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों का सम्मान किया गया और आयोजन की सराहना की गई। दिनांक 29 दिसंबर 2025 (सोमवार) को सवाई मानसिंह स्टेडियम में पारितोषिक वितरण समारोह के मुख्य अतिथि डीजीपी राजीव शर्मा (IPS) नवीन महाजन (प्रमुख शासन सचिव, निर्वाचन विभाग), जितेंद्र सोनी (जिला कलेक्टर जयपुर), निरज के. पवन, शासन सचिव (खेल विभाग) एवं श्रीमती पूनम (संभागीय आयुक्त, जयपुर) ने पारितोषिक वितरण किया।

राज्य स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह-2026 की तैयारियों को लेकर बैठक

- सफल आयोजन के लिए सभी विभाग समन्वय से करें कार्य - मुख्य सचिव

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्य सचिव वी.श्रीनिवास ने कहा कि गणतंत्र दिवस-2026 का राज्य स्तरीय समारोह हर वर्ष की तरह हर्षोल्लास, उमंग के साथ भव्यता और परंपरागत रूप से आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि गणतंत्र दिवस-2026 के राज्य स्तरीय समारोह का आयोजन जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में किया जाएगा।

मुख्य सचिव मंगलवार को शासन सचिवालय में राज्य स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह-2026 की तैयारियों के संबंध में आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 77वें गणतंत्र दिवस के सफल आयोजन के लिए सभी विभागों के अधिकारी अपने निर्धारित दायित्व को पूरा करते हुए आपसी समन्वय से कार्य करें। श्रीनिवास ने अधिकारियों को गणतंत्र दिवस के अवसर पर सभी प्रमुख भवनों, दर्शनीय स्थलों तथा राजकीय कार्यालयों व प्रमुख सार्वजनिक स्थानों पर आकर्षक सजावट करने के निर्देश दिए।

उन्होंने समारोह में अधिक से अधिक जन भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए कहा। मुख्य सचिव ने राज्य स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह-2026 की तैयारियों की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि समारोह स्थल पर आगंतुकों की बैठने की व्यवस्था, पेयजल, मेडिकल टीम की तैनाती, सुरक्षा तथा यातायात प्रबंधन सहित सभी आवश्यक तैयारियां समय पर पूर्ण की जाएं। उन्होंने सभी स्थानों पर चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने कहा कि समारोह के दौरान स्कूली बच्चों के कार्यक्रम, लोक कलाकारों की प्रस्तुतियां तथा पुरस्कार वितरण कार्यक्रम से जुड़ी सभी व्यवस्थाएं सुचारू रूप से संपन्न करवाई जाएं। उन्होंने पुलिस, स्वायत्त शासन, नगरीय विकास, सार्वजनिक निर्माण, शिक्षा तथा सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों को आपसी समन्वय से कार्य कर अपनी जिम्मेदारियों का प्रभावी ढंग से निर्वहन करने के निर्देश दिए। साथ ही, लोकभवन में आयोजित होने वाले एट होम कार्यक्रम के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जर्मन ड्रिल, एमजीडी बैंड, और झांकियां रहेंगी आकर्षण का केन्द्र

बैठक में शासन सचिव, सामान्य प्रशासन नवीन जैन ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से राज्य स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह के आयोजन की तैयारियों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस वर्ष मुख्य समारोह में कार्यक्रमों की श्रृंखला में जर्मन ड्रिल का भी आयोजन किया जाएगा। इसके अलावा लगभग 1200 छात्र-छात्राओं के द्वारा कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जाएंगी। साथ ही, इस वर्ष एमजीडी सहित प्रमुख बैण्ड्स द्वारा प्रस्तुति दी जाएगी। बैठक में पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा सहित संबंधित विभागों के उच्चाधिकारी तथा जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

जेडीए ने सड़क सीमा में आ रहे अतिक्रमणों को किया ध्वस्त

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा जोन-07 क्षेत्र में माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय, पीठ जयपुर में दायर रिट याचिका संख्या 17971/2022 में पारित आदेशों की पालना में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई। झारखंड मोड़ तिराहा से खातीपुरा तिराहा होते हुए 200 फीट सिरसी रोड बाईपास तक सड़क सीमा में आने वाले कच्चे-पक्के अवैध निर्माण एवं अतिक्रमण पूर्व में ध्वस्त किए जा चुके थे। इसके बावजूद सिरसी रोड-खातीपुरा क्षेत्र में 160 फीट रोड की ओर पुनः अतिक्रमण की शिकायत मिलने पर तकनीकी व राजस्व टीम से जांच कराई गई। जांच में दुकानों के साथ ग्राउंड, प्रथम व द्वितीय तल तक अवैध निर्माण तथा लगभग 6 मीटर लंबी बाउंड्रीवॉल बनाकर दोबारा अतिक्रमण किए जाने की पुष्टि हुई। उप महानिरीक्षक राहुल कोटोकी के निर्देशन में मंगलवार, 30 दिसंबर 2025 को सामूहिक अभियान चलाया गया। इस दौरान उपनियंत्रक प्रवर्तन-प्रथम एवं चतुर्थ, प्रवर्तन अधिकारी जोन-07, 09 व 12 की मौजूदगी में वैशाली नगर थाना पुलिस के सहयोग से जेसीबी मशीन, लोखंडा व मजदूरों की सहायता से कच्चे-पक्के अतिक्रमण ध्वस्त कर सड़क सीमा को अतिक्रमण-मुक्त कराया गया। यह कार्रवाई प्रवर्तन दस्ते द्वारा राजस्व व तकनीकी स्टाफ की निशादेही पर संपादित की गई।

चार्टर्ड अकाउंटेंट भारत के आर्थिक तंत्र की आत्मार - विधानसभा अध्युक्ष

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने चार्टर्ड अकाउंटेंटस का आव्हायन किया है कि वे भारत की आर्थिक व्यिवस्थाष की धूरी ही नहीं बल्कि भारतीय संस्कृआति के अनुरूप विश्वाास, नैतिकता, अवसर और प्रौद्योगिकी के मजबूत स्त्म्भस भी बने। देवनानी मंगलवार को जयपुर के बिडला ऑडिटोरियम सभागार में द इन्टीा टयूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंटस ऑफ इण्डिया (आईसीएआई) की जयपुर शाखा द्वारा फिडयूशिया (विश्वाटस) – 2025 नैतिकता, अवसर, प्रौद्योगिकी और स्थिरता विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्री य सम्मेअलन को मुख्यं अतिथि के रूप में सम्बोसधित कर रहे थे। देवनानी ने दीप प्रज्व्य लित कर सम्मेलन का शुभारम्भ किया।

विधानसभाध्यपक्ष देवनानी ने कहा कि यह सर्म्मीलन भारत की तीव्र गति से उभरती अर्थव्यमवस्थ़ा को दृष्टिगत रखते हुए बहुत प्रांसगिक और सारगर्भित है। उन्होंनने कहा कि आज का भारत अवसरों से भरा हुआ भारत है। आज हमारा देश प्रधानमंत्री नरेन्द्रभ मोदी के नेतृत्व में विश्वन की अग्रणी अर्थव्यहवस्था ओं में तेजी से आगे बढ रहा है। चाहे वह डिजिटल इंडिया के माध्य म से पारदर्शिता बढाना हो, जीएसटी के जरिए एकीकृत कर प्रणाली स्थावपित करना हो, मेक इन इंडिया और आत्मिनिर्भर भारत के माध्यीम से घरेलू उद्योगों को सशक्ति करना हो, या फिर स्टार्टअप इंडिया के जरिए युवाओं को उद्यमिता के लिए प्रेरित करना हो। इन सभी प्रयासों के केंद्र में विश्वा स और सुशासन है। उन्होंनि कहा कि आर्थिक नीतियों, निवेश निर्णयों और कॉर्पोरेट गवर्नेंस में संतुलन स्था पित करने में चार्टर्ड अकाउंटेंटस की भूमिका बहुत अहम है। इसलिए उन्हेंम एक सजग प्रहरी के रूप में देशहित में अपने दायित्वोंउ को निभाना होगा। इसी प्रकार ग्रीन बोन्ड स, सस्टे्नबेल फाईनेंस और ईएसजी रिपोर्टिंग के

माध्य म से आप भारत के 2070 तक नेट जीरो के लक्ष्यर को साकार करने में महत्विपूर्ण योगदान दे सकते है। इसके अलावा चार्टर्ड अकाउंटेंटस पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक उत्तरदायित्व और सुशासन के भारतीय जीवन दर्शन के मूल्यों को व्यवहारिक रूप देने में भी सबसे प्रभावी माध्यतम सिद्ध हो सकते हैं। देवनानी ने कहा कि उपनिषेदों का भाव हमें यह सिखाता है कि ज्ञान तभी पूर्ण होता है जब उसके साथ विवेक जुडा हो। तकनीक यदि विवेक से अलग हो जाएं तो वह सुविधा नहीं संकट बन जाता है। इसलिए आज आवश्यककता इस बात की है कि हम तकनीक को अपनाएं लेकिन अपने निर्णयों को मानवीय संवेदना, नैतिकता और अनुभव से संचालित करें। कोई भी मशीन यह तय नहीं कर सकती कि सही और गलत के बीच नैतिक अन्तऔर क्याा है। यह जिम्मेनदारी पूर्ण रूप से मानव विवेक पर ही निर्भर करती है। विधानसभाध्यकक्ष देवनानी ने कहा कि भारत की असली ताकत उसके एम.एस.एम.ई, स्टार्यटअप्सह और गांवों और कस्बों में बसे छोटे उद्योमियों में विद्धमान है। राजस्थारन की भूमि इस दृष्टि से महत्वभपूर्ण है जहां कारीगिरी परम्पिरा और उद्यमशिलता एक साथ चलती है। यहां छोटे उद्योग केवल रोजगार का साधन नहीं बल्कि सांस्कृातिक पहचान का माध्यलम भी है। इन उद्यमों को सही दिशा, वित्तीाय अनुशासन और दीर्घकालीन दृष्टि देने में चार्टर्ड अकाउंटेंटस महत्वउपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। देवनानी ने कहा कि आज केपिटल मार्केटस, ऑडिट, टेक्सेशिन और फाईनेन्शियल रिपोर्टिंग के क्षेत्र जो परिवर्तन हो रहे हैं वह अभूतपूर्व है लेकिन इन सभी परिवर्तनों के केन्द्रि में एक ही यक्ष प्रश्नग है कि क्याव हम अपने शाश्वत विश्वा स को बनाए रख पा रहे है। बिना विश्वा स के ना कोई समाज चल सकता है ना कोई संस्थाह टिक सकती है और ना ही कोई अर्थव्यैवस्थाय स्थिर रह सकती है। देवनानी ने कहा कि गीता हमें यह सिखाती है कि कर्तव्य से विमुख होना सबसे बडा पतन है, और कर्तव्् का पालन ही जीवन की श्रेष्ठह साधना है। यही भाव चार्टर्ड अकाउंटेंट के पेशे का मूल मंत्र होना चाहिए। आप केवल आंकडों का प्रबंधन नहीं करते, आप कर्तव्यट, विवेक और उत्तोरदायित्वे का निर्वहन भी करते हैं। आपकी कलम से निकली एक रिपोर्ट किसी कंपनी का भविष्य तय करती है, किसी निवेशक का विश्वीस मजबूत करती है और किसी सरकार की नीति को नई दिशा देती है। उन्हों ने चार्टर्ड अकाउंटेंटस को सलाह दी कि वे नये आयकर कानून का सही ढंग से विशलेषण करें और अपने पेशे के अनुरूप ऑडिट की गुणवत्ता को बनाए रखते हुए सही अर्थों में आय सलाहकार की भूमिका का निर्वहन करें।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए		पानी के लिए	
टोल फ्री नंबर	18001806507	जलदाय कार्यालय	2706624
वॉट्सएप नंबर	9414037085	फायर ब्रिगेड	2747400
कस्टमर केयर	2203000	**मेडिकल इमरजेंसी के लिए**	
आईवीआरएस	1912	एंबुलेंस	102/108
कचरा गाड़ी के लिए		एसएमएस इमरजेंसी	2518333
ग्रेटर	2747400	महिला चिकित्सालय	22610616
सीवरेज लीकेज	2607500	जनाना हॉस्पिटल	22378721
हेरिटेज	2607500	SDMH	22574189
टोल फ्री नंबर	14420	SMS ब्लड बैंक	22518222
पुलिस की मदद के लिए		कल्याण ब्लड बैंक	22721771
साइबर क्राइम	1930/2360094	**घायल पशुओं के लिए**	
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38	नगर निगम	2747400
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630	बर्ड बाइक	9887345580
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098	हेल्प इन सफरिंग	8107299711
महिला हेल्पलाइन	1090	जनमंच ट्रस्ट	7230055800
मुख्यमंत्री पोर्टल	181	पशु चिकित्सालय	2747400

नवनियुक्त अल्पसंख्यक कांग्रेस जिलाध्यक्ष टीपू ने बारां पहुंचकर विधायक प्रमोद जैन भाया का किया आभार व्यक्त

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका)। जिला कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग बारां के जिलाध्यक्ष अली हुसैन टीपू ने सोमवार को पूर्व कैबिनेट मंत्री और अंता विधायक प्रमोद जैन भाया से बारां पहुंच कर मुलाकात की और धन्यवाद ज्ञापित किया। अंता विधायक प्रमोद जैन भाया ने अली हुसैन टीपू को जिला कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग का जिलाध्यक्ष बनने पर माला पहनाकर मुँह मीठा करवाया और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस दौरान वक्फ कमेटी बारां के चेयरमैन इरफ़ान अंसारी, चहैडिया सरपंच तारिक़ खान, पार्षद जाकिर खान, पूर्व पार्षद मूर्तजा अंसारी, पार्षद प्रतिनिधी शारीक खान,

अखलाक खान पिंकू, राधेश्याम कहार, बंटी मेवाती, नाजिर राजा, मोनू किंग, सैफ अली, गोलू मुकिम, सोहैल अंसारी मांगरोल, अकबर अली, खूबसूरत अंसारी, वसीम शाद, मांगरोल वक्फ सदर अलीमुद्दीन, नईम अख्तर, शहादत हुसैन, गुलाम अहमद, हनीफ भाई, मोहम्मद समीर, वसीम, मेहमूद अली पाटुंदा, फिरोज मंसूरी, शाहरुख मेवाती, नासिर मेवाती, कालीचरण बैरवा आदि मौजूद रहे।

हाजी मोहम्मद यूसुफ एलआईसी कार्यालय से आज होंगे सेवानिवृत्त

पाली (रॉयल पत्रिका)। हाजी मोहम्मद यूसुफ ने एलआईसी कार्यालय में अपनी सफलतापूर्वक सेवाएं देने के बाद आज सेवानिवृत्त हो रहे हैं। एलआईसी कार्यालय प्रबंधक वासुदेव सोलंकी, मेहन्द्र सिंह, निरज व झालाराम ने उनके द्वारा दी गई सेवाओं की प्रशंसा की ओर शुभकामनाएं व बधाई दी।

मंडावर के गांधी चौक पर फूटी पाईपलाइन से रोजाना बह रहा पानी, जलदाय विभाग बेपरवाह

शफीक अली

मंडावर (रॉयल पत्रिका)। शहर के सबसे व्यस्त गांधी चौक पर जलदाय विभाग की पाईपलाइन कई दिनों से फूटी पड़ी है, जिससे हर रोज सुबह से शाम तक सप्लाई चालू रहने के दौरान पानी धारा बनकर भारी मात्रा में बहता रहता है। सड़क पर फैलते पानी ने न सिर्फ गंदगी बढ़ाई है बल्कि आस-पास के फल–फ्रूट विक्रेताओं और राहगीरों के लिए भी हालात मुश्किल कर दिए हैं। इसके बावजूद विभागीय जिम्मेदारों ने इस गंभीर समस्या पर अब तक कोई ध्यान नहीं दिया, मानो शहर के बीचोंबीच हो रही यह बर्बादी उनके लिए मायने ही न रखती हो। स्थानीय विक्रेताओं ने बताया कि पाईपलाइन उस समय क्षतिग्रस्त हुई जब यहां सड़क निर्माण के दौरान ठेकेदार की ट्रैक्टर–ट्रॉली और जेसीबी मशीनें लगातार आवाजाही कर रही थीं। टूटने

के बाद न केवल पानी बेकार बहता रहा बल्कि ठेकेदार ने भी टूटी लाइन की जगह बने गड्ढे के कारण इस हिस्से पर सड़क नही बनाई, जिससे यह चौराहा और अधिक बदहाल दिखाई देता है। लोगों का कहना है कि लीकेज की सूचना जलदाय विभाग को दी जा चुकी है। इसके साथ ही विभाग के अधिकारी और कर्मचारी भी दिन में कई बार इसी रास्ते से गुजरते हैं, परंतु इसके बावजूद अब तक क्षतिग्रस्त लीकेज लाईन की मरम्मत नहीं कराई गई है। स्थानीय नागरिकों के अनुसार यह बेरुखी साफ दिखाती है कि विभागीय जिम्मेदार समस्या को देखकर भी अनदेखा कर रहे हैं, जैसे पानी का यह नुकसान किसी की जवाबदेही से बाहर हो। लोगो का मानना है कि गांधी चौक की यह फूटी पाईपलाइन जल संरक्षण जैसे संवेदनशील मुद्दे के साथ सीधा खिलवाड़ है। लगातार बह रहा पीने का पानी न सिर्फ सरकारी संसाधनों की हानि है बल्कि स्वास्थ्य और स्वच्छता व्यवस्था पर भी खतरा बन गया है। शहरवासियों की मांग है कि जलदाय विभाग और निर्माण एजेंसी दोनों की जवाबदेही तय की जाए, क्षतिग्रस्त पाईपलाइन की तत्काल मरम्मत करवाई जाए और उस स्थान पर छोड़ी गई सड़क को भी पूरा कर शहर के मुख्य चौराहे को राहत दिलाई जाए, ताकि मंडावर में लापरवाही की यह तस्वीर जल्द से जल्द बदल सके।

24 कुंडीय गायत्री महायज्ञ एवं विशाल दीप यज्ञ संपन्न

मोहम्मद इकबाल शाह

बनेड़ा (रॉयल पत्रिका)। गायत्री परिवार द्वारा लक्ष्मी भवन बनेड़ा में चार दिवसीय राष्ट्र शौर्य समृद्धि 24 कुंडीय गायत्री महायज्ञ के तीसरे दिन मंगलवार को प्रातः यज्ञ हुआ जिसमें याजको द्वारा राष्ट्र की सुख समृद्धि व लोकमंगल के लिए हजारों आहुतियां दी गई। साथ ही 21 पुंसवन संस्कार, 100 गुरुदीक्षा संस्कार एवं 4 यज्ञोपवित संस्कार नि:शुल्क संपन्न हुए। तीसरे दिन श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला है। परमेश्वर लाल साहू की टोली ने यज्ञ संपन्न करवाया एवं साहू ने मनुष्य जीवन का लक्ष्य एवं महत्व पर प्रकाश डालते हुए गायत्री परिवार द्वारा चलाए जा रहे विश्व-व्यापी गतिविधियों की जानकारी दी तथा मनुष्य जीवन में संस्कारो का क्या महत्व यह भी बताया। तत्पश्चात भोजन प्रसाद रहा। शाम को 2100 दीपकों के साथ विशाल भव्य दीप यज्ञ संपन्न हुआ। कल यज्ञ का अंतिम दिन पूर्णाहुति रहेगी तथा कल भी गुरुदीक्षा, पुंसवन, जन्मदिन, विवाह दिवस, अन्नप्रासन इत्यादि सभी संस्कार नि:शुल्क सम्पन करवाए जाएंगे एवं टोली विदाई का भी रहेगा। आस-पास के गावों मे भी श्रद्धालु, भक्तजनों को आमंत्रित किया गया।

सोशल मिडिया पर भ्रामक विडियो पोस्ट करने के मामले में दो व्यक्ति गिरफ्तार

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला पुलिस अधीक्षक चूरू जय यादव आईपीएस ने बताया कि 28 दिसम्बर, 2025 को अमिताभ चावरीयां मय करीब 10 व्यक्तियो ने थाना पर उपस्थित होकर रिपोर्ट पेश कि पिछले दो दिनो से सोशल मिडिया पर बने चैनल सरदारशहर०, सरदारशहर-1 व ट्रेवल पीआरपी पर एक व्यक्ति का विडियो लगा रखा है जिस पर हमारे वाल्मिकी समाज पर जाति सुचक टिप्पणी की गई है के संबंध में रिपोर्ट प्राप्त हुई। महानिरीक्षक महोदय बीकानेर रेंज के निर्देशानुसार सोशल मिडियो पर आपतिजनक, भ्रामक एवं किसी समुदाय व सामज विशेष पर पोस्ट करने की प्रभावी निगरानी / कार्यवाही करने हेतु एक विशेष अभियान साईबर क्लिन चलाया जा रहा है जिसके तहत जिला चूरू में अधिक से अधिक कार्यावाही करने हेतु निर्देश जारी किये गये है। जिसके कम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चूरू सुनिल कुमार आरपीएस के निर्देशन व पुलिस

उप अधीक्षक सरदारशहर कुलदीप वालिया आरपीएस के सुपरविजन में थानाधिकारी पुलिस थाना सरदारशहर मदनलाल बिश्नोई पुनि के आदेशानुसार साईबर डेस्क प्रभारी रामचन्द्र कानि. 578 द्वारा कस्बा सरदारशहर के सोशल मिडिया प्लेटफार्मों पर निरंतर साईबर गस्त की जा रही है। इसी दौरान सोशल मिडिया पर बने चैनल सरदारशहर०, सरदारशहर-1 व ट्रेवल पीआरपी पर एक व्यक्ति का विडियो लगा रखा है जिस पर वाल्मिकी समाज पर टिप्पणी की गई है जिसकी निगरानी पतारसी कर सोशल मिडिया पर बने चैनल सरदारशहर०, सरदारशहर-1 व ट्रेवल पीआरपी के संचालक का मालुमात कर गैरसायलान 1. विकास कुमार पुत्र मंगलचंद प्रजापत जाति प्रजापत उम्र 25 साल नि० वार्ड न० 08 गिनाणी बास कस्बा सरदारशहर पीएस सरदारशहर व 2. पप्पुराम पुत्र भंवरलाल जाति प्रजापत उम्र 32 साल नि० वार्ड न० 08 गिनाणी बास कस्बा सरदारशहर पीएस सरदारशहर को गिरफ्तार किया गया। एडवाईजरीः-कस्बा सरदारशहर सोशल मिडिया युजर को निर्देशित किया जाता है कि सोशल मिडिया परआपतिजनक, भ्रामक व समुदाय विशेष, जाति विशेष पर फोटो, विडियो पोस्ट नही करे। सोशल मिडिया पर इस प्रकार की गतिविधियो का संचालन पाये जाने पर शख्त विधिनुसार कानुनी कार्यवाही अमल में ली जायेगी।

सिक्किम के राज्यपाल ओम माथुर ने सालासर बालाजी मंदिर में लगाई धोक

-हनुमानजी के दर्शन एवं पूजा-अर्चना कर देश-प्रदेश में खुशहाली के लिए कामना की

चूरू (रॉयल पत्रिका)। सिक्किम के राज्यपाल ओमप्रकाश माथुर ने मंगलवार को जिले के सालासर बालाजी मंदिर में दर्शन कर पूजा-अर्चना की और देश-प्रदेश में खुशहाली के लिए कामना की। इस अवसर पर सत्यप्रकाश पुजारी, मांगीलाल पुजारी, धर्मवीर पुजारी, मनोज पुजारी, यशोदानंदन पुजारी, रविशंकर पुजारी, जीतमल पुजारी, महावीर पुजारी ने पूजा-अर्चना करवाई तथा राज्यपाल माथुर का बालाजी का चित्र व दुपट्टा भेंट कर अभिनंदन किया। इस दौरान एएसपी दिनेश कुमार, एसडीएम ओमप्रकाश वर्मा, सीओ दरजाराम, तहसीलदार गिरधारी पारीक, नायब तहसीलदार सुरेंद्र कुमार, जयश्री दाधीच सहित अन्य मौजूद रहे।

सर्दी का सितम कोहरे की आगोश में रहा हिंडौन में सड़क पर वाहन चालकों को हुई परेशानी

-जगह-जगह आलाप जलाकर सर्दी से बचाव करते रहे लोग

हनीस खान कुतकपुर

हिंडौन (रॉयल पत्रिका)। हिंडौन क्षेत्र में सर्दी का सितम जारी है, तेज सर्दी से कोहरे से जनजीवन अस्त- व्यस्त हो गया। कोहरे से वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा रहा है और यातायात प्रभावित हो रहा है। हिंडौन करौली सड़क मार्ग पर कई वाहन धीमी गति से चलते देखे गए। वहीं कुछ वाहन चालकों ने अपने वाहनों को पेट्रोल पंप पर खड़ा कर दिया। रविवार और सोमवार की मध्य रात्रि से ही कोहरे का असर दिखाई दिया। कांचरौली निवासी मनोज तिवारी ने बताया कि सोमवार सुबह 9:00 बजे के बाद भी कोहरे की वजह से निजी वाहनों और रोडवेज बसों को विशेष सावधानी बरतनी पड़ी।

कुछ स्थानों पर वाहन चालकों ने हेडलाइट और फॉग लाइट का उपयोग किया। कोहरे के कारण सड़क पर फिसलन की स्थिति भी बनी रही, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ गई। स्थानीय प्रशासन और यातायात विभाग ने वाहन चालकों से अपील की है कि वे अनावश्यक यात्रा से बचें। आवश्यक होने पर ही सफर करें और सुरक्षित दूरी बनाए रखते हुए गति नियंत्रित रखें।अत्यधिक सर्दी से लोग आलाप जलाकर तापते नजर आए।

समाज सेवियों ने गर्म वस्त्र वितरण कर जरुरतमंदों की सेवा की

हिंडौन सिटी (रॉयल पत्रिका)। शहर में बढ़ती ठण्ड को देखते हुए समाज सेवी सेवा करते नज़र आये, शहर के शफी मोहम्मद व मोहम्मद रफीक ने कहा कि सेवा करना पुण्य (सवाब) का काम है, हर मौसम में सभी को जरुरतमंदों व बेजुबान पशु पक्षियों की सेवा करनी चाहिए। ठण्ड को देखते हुए शफी मोहम्मद व मोहम्मद रफीक ताज ने असहाय, बेसहारा व गरीब बच्चों को गर्म वस्त्र वितरण कर जरुरतमंदों की सेवा की। इस मौके पर शफी मोहम्मद, मोहम्मद रफीक, अनीश खान, अनसार खान, दीन मोहम्मद, निजामुद्दीन, डॉ. अब्दुल, रिहान खान, मोहम्मद असलम, मोहम्मद हाशिम आदि मौजूद रहे।

महवा-मंडावर-कोठी नारायणपुर फोरलेन के प्रस्तावित जंक्शन का विरोध शुरू

शफीक अली

महवा (रॉयल पत्रिका)। महवा-मंडावर-कोठी नारायणपुर फोरलेन के प्रस्तावित जंक्शन का विरोध शुरू हो गया है। ग्रामीणों ने मीन भगवान मंदिर के सामने धरना देकर विरोध किया है। उनका कहना है कि वुडलैंड निर्माण में भूमि आने से किसानों को भारी नुकसान होगा। ग्रामीणों ने प्रस्तावित जंक्शन को नगर पालिका क्षेत्र से बाहर बनवाने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि प्रस्तावित जंक्शन के कारण उनकी जमीनें अधिग्रहित की जाएंगी, जिससे उन्हें भारी नुकसान होगा। उनका कहना है कि वे पहले ही अपनी जमीनें दे चुके हैं और अब उन्हें दोबारा जमीन देने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता है। सरकार ने महवा-मंडावर-

राजगढ़ हाईवे को फोरलेन बनाने के लिए 862.22 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी है। इस परियोजना में फ्लाईओवर, बाइपास और री-अलाइनमेंट शामिल हैं। सरकार का कहना है कि इस परियोजना से क्षेत्रीय यातायात सुगम होगा, सड़क सुरक्षा बढ़ेगी और आर्थिक गतिविधियों को गति मिलेगी। ग्रामीणों का विरोध जारी है और वे अपनी मांगों को लेकर अड़े हुए हैं। सरकार को उनकी मांगों पर विचार करना होगा और एक संतोषजनक समाधान निकालना होगा अन्यथा आंदोलन किया जावेगा।

इमरान सरकेल का हज 2026 हज ट्रैनर के लिए चयन

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। सेन्ट्रल हज कमेटी ऑफ़ इंडिया बॉम्बे के द्वारा इस बार हज 2026 में जाने वाले हुज्जाज-ए-इकराम को ट्रेनिंग देने के लिए चूरू से इमरान सरकेल का चयन किया गया है। इनकी दो दिवसीय बॉम्बे मे ट्रेनिंग होने के बाद जिला स्तर पर कैम्प के द्वारा राजस्थान के हाजियों को ट्रेनिंग देंगे व सऊदी अरब में हज के अरकान व आने वाली समस्या और और उनका निदान के बारे में बताएँगे इस बार चूरू से लगभग 72 हाजी हज 2026 में जाएंगे।

पीरे तरीक़त कादरी मियां किछोछवी का मेवाड़ दौरा तय

कपासन (रॉयल पत्रिका)। पीरे तरीक़त औलादे गौसे आज़म हज़रत अल्लामा अलहाज डॉ. सैयद जलालुद्दीन अशरफ उर्फ कादरी मियां किछोछवी (चेयरमैन मखदूम अशरफ मिशन, पण्डवा शरीफ, जिला मालदा, पश्चिम बंगाल) का मेवाड़, राजस्थान का दौरा कार्यक्रम तय हो गया है। यह जानकारी मोहम्मद यासीन खाँ अशरफी ने दी। तय कार्यक्रम के अनुसार कादरी मियां 30 दिसंबर 2025, मंगलवार को उपरेडा (राशमी) पहुंचेंगे। 31 दिसंबर, बुधवार को गंगरार, 1 जनवरी 2026, जुमेरात को देवल्दी

(प्रतापगढ़), 2 जनवरी, शुक्रवार को बजरंगगढ़ (प्रतापगढ़), 3 जनवरी, शनिचर को माण्डलगढ़, 4 जनवरी, रविवार को उदयपुर, 5 जनवरी, सोमवार को सावा तथा 6 जनवरी, मंगलवार को कपासन में आयोजित जश्ने अशरफ में शिरकत करेंगे। इसके बाद 7 जनवरी, बुधवार को प्रातःकाल डबोक हवाईअड्डे से लखनऊ के लिए तशरीफ ले जाएंगे।

चूरू से उठी बदलाव की मांग, मुस्लिम जातियों को ओबीसी आरक्षण से बाहर करने की अपील

चूरू (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य में मूल अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा एवं सामाजिक न्याय की मूल भावना को सुरक्षित सखने के उद्देश्य से आर्यावर्त हिन्द युवा सेना के चूरू जिला अध्यक्ष मनोज त्यागी ने आज राजस्थान राज्य अन्य पिछड़ा वर्ग राजनीतिक प्रतिनिधित्व आयोग, जयपुर के चेयरमैन को एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मांग की गई कि राजस्थान की ओबीसी सूची में वर्ष 1999 से 2013 के बीच धर्म के आधार पर शामिल की गई तथाकथित मुस्लिम जातियों को ओबीसी आरक्षण के दायरे से बाहर किया जाए, क्योंकि मंडल आयोग की मूल संस्तुतियां सामाजिक पिछड़ेपन पर आधारित थीं, न कि धार्मिक या आर्थिक आधार पर। जिला अध्यक्ष मनोज त्यागी ने कहा कि ओबीसी आरक्षण का उद्देश्य उन वर्गों को आगे बढ़ना था, जो ऐतिहासिक रूप से सामाजिक भेदभाव, तिरस्कार और असमानता का शिकार रहे हैं। इस्लाम में जातिगत भेदभाव की अवधारणा न होने के बावजूद विभिन्न मुस्लिम वर्गों को अलग-अलग जातियों के नाम पर ओबीसी सूची में शामिल करना न केवल मंडल आयोग की भावना के विपरीत है, बल्कि यह मूल ओबीसी समाज के साथ अन्याय भी है। उन्होंने यह भी बताया कि जिन मुस्लिम वर्गों को राजस्थान की ओबीसी सूची में शामिल किया गया है, उनमें से अधिकांश केंद्रीय ओबीसी सूची में शामिल नहीं हैं, जिससे यह स्पष्ट होता है कि बिना समुचित सामाजिक सर्वे और ठोस आंकड़ों के यह निर्णय लिया गया। इसका सीधा दुष्प्रभाव स्थानीय निकायों, पंचायती राज संस्थाओं एवं राजनीतिक प्रतिनिधित्व पर पड़ा है, जहां मूल ओबीसी वर्ग अवसरों से वंचित हो रहा है। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि कुछ वर्गों द्वारा ओबीसी के साथ-साथ ईडब्ल्यूएस आरक्षण का दोहरा लाभ लिया जाना सामाजिक न्याय के सिद्धांतों के विपरीत है। आर्यावर्त हिन्द युवा सेना ने मांग की है कि मुस्लिम समुदाय में कथित जाति आधारित सामाजिक पिछड़ेपन की निष्पक्ष जांच हेतु उच्च स्तरीय समिति गठित की जाए, राजस्थान की ओबीसी सूची का पुनरीक्षण कर तथाकथित मुस्लिम जातियों को बाहर किया जाए, तथा बिना सामाजिक भेदभाव वाले समुदाय को जातियों में बांटकर दिए जा रहे आरक्षण को तत्काल समाप्त किया जाए।संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामचंद्र प्रजापति ने इस पहल का समर्थन करते हुए कहा कि यह संघर्ष किसी समुदाय के विरोध में नहीं, बल्कि मूल अन्य पिछड़ा वर्ग के संवैधानिक अधिकारों और सामाजिक न्याय की रक्षा के लिए है, जिसे अंत तक जारी रखा जाएगा।

जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने किया कोष कार्यालय व सर्किट हाउस का निरीक्षण, दिए निर्देश

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने जिला मुख्यालय स्थित सर्किट हाउस व कोष कार्यालय का निरीक्षण कर वयवस्थाएं देखी और अधिकारियों को समुचित निर्देश दिए। कोष कार्यालय का निरीक्षण कर जिला कलक्टर सुराणा ने कहा कि कार्यालय व्यवस्थाओं का बेहतरीन प्रबंधन किया जाए और समुचित सेवाएं सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने नकारा सामग्री के निस्तारण व था पुराने रिकॉर्ड के नष्टीकरण के निर्देश दिए। उन्होंने संपर्क पोर्टल में संतुष्टि स्तर तथा ई— फाइल में डिस्पोजल टाइम का जायजा लिया और संतुष्टि जाहिर की। इसी के साथ महालेखाकार पैरा के निस्तारण, स्टाफ की उपस्थिति, स्टांप रजिस्टर का ऑनलाइन पोर्टल से मिलान आदि की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कोष कार्यालय में लगे सोलर पैनल का अवलोकन करते हुए कहा कि स्थान की व संभावनाओं के अनुसार और अधिक

सोलर पैनल लगाए जाने के प्रयास किए जाएं ताकि ऊर्जा उत्पादन में बढ़ोतरी की जा सके। कोषाधिकारी प्रवीण सिंघल ने व्यवस्थाओं से अवगत करवाया। इसके बाद उन्होंने सर्किट हाउस का निरीक्षण किया तथा स्टोर, सर्किट हाउस के भवन, संसाधनों की उपलब्धता, लगाए गए पौधे आदि का निरीक्षण किया। उन्होंने सर्किट हाउस मैनेजर को निर्देश दिए कि आने वाले आगंतुकों को बेहतरीन सेवाओं का लाभ दिया जाए तथा समुचित प्रबंधन किया जाए। सर्किट हाउस मैनेजर राजेंद्र ने जानकारी दी।

प्रधान जी व चौकीदार कटला में भंडारा: एकता और भाईचारे की मिसाल

-हजारों भक्तों ने किया प्रसाद ग्रहण, भंडारे में दिखा अपनापन

शफीक अली

महवा (रॉयल पत्रिका)। महवा में प्रधान जी व चौकीदार कटला में भव्य भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस भंडारे में 8 मन के मालपूए और 7 मन के सब्जी का प्रसाद तैयार किया गया था, जिसे हजारों भक्तों ने एक पंगत में बैठकर प्रसादी पाई। भक्तों ने बताया कि भंडारे में प्रसाद ग्रहण करना उनके लिए एक अद्त अनुभव था। उन्होंने बताया कि भंडारे में सभी लोगों को एक साथ बैठकर प्रसाद ग्रहण करने का अवसर मिला, जोकि एक भाईचारे की मिसाल पेश

की। भंडारे का आयोजन प्रधान व चौकीदार कटला द्वारा किया गया था, जिसका उद्देश्य लोगों को एक साथ लाना और उन्हें प्रसाद ग्रहण करने का अवसर प्रदान करना था। भंडारे में भाग लेने वाले लोगों ने बताया कि यह एक अद्त अनुभव था और उन्हें ऐसा महसूस हुआ जैसे वे अपने परिवार के साथ बैठकर भोजन कर रहे हैं। भंडारे की तैयारी कई दिनों से चल रही थी। भंडारे के लिए विशेष रूप से मालपूए और सब्जी का प्रसाद तैयार किया गया था। भंडारे में भाग लेने वाले लोगों के लिए विशेष व्यवस्था की गई थी, जिसमें उन्हें बैठने के लिए जगह और प्रसाद ग्रहण करने के लिए विशेष व्यवस्था शामिल थी।

गीतांजली हॉस्पिटल में लेज़र सर्जरी कार्यशाला का सफल आयोजन

उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। गीतांजली मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के जनरल सर्जरी विभाग द्वारा एक दिवसीय लेज़र सर्जरी कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। यह शैक्षणिक कार्यक्रम विभागाध्यक्ष डॉ. संजीव अग्रवाल एवं प्रोफेसर डॉ. अजय चौहान के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यशाला के समन्वयक डॉ. मोहित कुमार बड़गुर्जर के नेतृत्व में संपूर्ण शल्य चिकित्सा विभाग के सहयोग से इस कार्यक्रम को सफल बनाया गया। कार्यशाला के दौरान आधुनिक लेज़र तकनीकों का व्यावहारिक प्रदर्शन करते हुए कुल 9 मरीजों में लेज़र सर्जरी का लाइव डेमो प्रस्तुत किया गया, जिसमें 3 वैरिकोज वेन्स (एक पुनरावर्ती केस), 3 फिस्टुला-इन-एनो (दो ट्रांसस्फिंक्टेरिक) तथा 3 बवासीर (हेमोरॉयड्स) के केस शामिल रहे। इस अवसर पर डॉ. विवेक शर्मा (अजमेर) ने विशेष आमंत्रित विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया। उन्होंने व्यापक अनुभव एवं तकनीकी ज्ञान को साझा किया। उन्होंने बताया कि लेज़र सर्जरी से मरीजों को कम दर्द, कम रक्तस्राव, शीघ्र स्वास्थ्य लाभ तथा जल्दी अस्पताल से छुट्टी जैसे अनेक लाभ मिलते हैं। उनकी विनम्रता, सरल स्वभाव तथा फैकल्टी एवं रेजिडेंट्स के प्रश्नों को धैर्यपूर्वक स्पष्ट करने की शैली की सभी ने सराहना की। इस कार्यशाला में लगभग 40 सर्जनों, जिनमें फैकल्टी सदस्य एवं रेजिडेंट डॉक्टर शामिल थे, ने सक्रिय रूप से भाग लिया। प्रतिभागी सर्जनों ने लेज़र तकनीक से संबंधित नवीन तकनीकी प्रगति को न केवल सैद्धांतिक बल्कि व्यावहारिक रूप से भी समझा, जिससे भविष्य में मरीजों को बेहतर एवं आधुनिक उपचार उपलब्ध कराया जा सकेगा। कार्यक्रम की सफलता में एनेस्थीसिया विभाग का विशेष योगदान रहा, जिसके लिए डॉ. अलका छाबड़ा (विभागाध्यक्ष, एनेस्थीसिया), डॉ. पूजा पटेल एवं डॉ. पिंकी सहित संपूर्ण एनेस्थीसिया टीम का आभार व्यक्त किया गया। साथ ही रेडियोलॉजी विभाग से डॉ. रविंदर कुंडू (विभागाध्यक्ष), डॉ. यामिनी एवं डॉ. शिवम के सहयोग के लिए धन्यवाद दिया गया। इसके अतिरिक्त हेमंत गर्ग एवं संपूर्ण ऑपरेशन थिएटर स्टाफ के महत्वपूर्ण सहयोग से यह कार्यशाला सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस शैक्षणिक आयोजन को फैकल्टी सदस्यों एवं रेजिडेंट डॉक्टरों से अत्यंत सकारात्मक प्रतिक्रिया प्राप्त हुई।

भागीय आयुक्त अग्रवाल 2 को जिले के भ्रमण पर

बारां (रॉयल पत्रिका)। अतिरिक्त जिला कलक्टर भंवरलाल जनागल ने बताया कि संभागीय आयुक्त कोटा संभाग अनिल कुमार अग्रवाल 2 जनवरी 2026 शुक्रवार को जिले के भ्रमण पर रहेंगे। उन्होंने कहा कि संभागीय आयुक्त की अध्यक्षता में दोपहर 12:30 बजे राज्य सरकार की महत्पूर्वण योजनाओं, बजट घोषणाओं व अन्य विभिन्न विभागीय गतिविधियों के क्रियान्वयन की समीक्षा के लिए जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी। वहीं 3 बजे छबड़ा में निरीक्षण, विशेष पुनरीक्षण कार्यक्रम-रोल पर्यवेक्षण एवं विभागीय गतिविधियों का निरीक्षण करेंगे। साथ ही सायं 6 बजे से छबड़ा में रात्रि चौपाल कार्यक्रम में शिरकत कर जनसुनवाई में आमजन की परिवेदनाएं व समस्याएं सुनेंगे।

रणथम्भौर क्लीन इंटेंसिव अभियान का शुभारंभ

-पर्यटन क्षेत्र की स्वच्छता को लेकर यूआईटी सचिव गौरव बुड़ानिया की पहल, टाइगर वॉच संस्था ने बढ़ाया सहयोग

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। अंतरराष्ट्रीय पर्यटन स्थल रणथम्भौर की स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण को सुदृढ़ करने की दिशा में नगर विकास न्यास सचिव एवं जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी आईएएस गौरव बुड़ानिया की पहल पर रणथम्भौर क्लीन इंटेंसिव अभियान का शुभारंभ किया गया। मंगलवार को जिला परिषद कार्यालय से कचरा संग्रहण वाहन को हरी झंडी दिखाकर अभियान की औपचारिक शुरुआत की गई। पर्यटन की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण रणथम्भौर रोड पर सफाई व्यवस्था को नियमित और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से यह अभियान प्रारंभ किया गया है। गौरव बुड़ानिया ने कहा कि स्वच्छता सीधे पर्यटन की छवि और पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी है। उन्होंने स्वयंसेवी संस्थाओं एवं सामाजिक संगठनों से अभियान में सहयोग की अपील की थी, जिसके क्रम में टाइगर वॉच संस्था ने आगे बढ़कर महत्वपूर्ण योगदान दिया। टाइगर वॉच संस्था द्वारा सीएसआर के तहत एक कचरा संग्रहण वाहन, वाहन चालक एवं दो महिला सफाईकर्मियों को प्रतिदिन निशुल्क रूप से अभियान में लगाया गया है। संस्था के 'क्लीन रणथम्भौर इनिशिएटिव' के अंतर्गत रणथम्भौर नेशनल पार्क की मुख्य सड़क के दोनों ओर नियमित रूप से कचरा संग्रहण एवं उठाव किया जाएगा, जिससे क्षेत्र की स्वच्छता बनाए रखने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा। इस अवसर पर यूआईटी सचिव गौरव बुड़ानिया ने टाइगर वॉच संस्था के निदेशक धर्मेन्द्र खांडल का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रशासन और समाज के साझा प्रयासों से ही रणथम्भौर को स्वच्छ, सुंदर और पर्यावरण अनुकूल बनाया जा सकता है। उन्होंने अन्य स्वयंसेवी संस्थाओं से भी इस अभियान से जुड़ने का आह्वान किया। टाइगर वॉच निदेशक धर्मेन्द्र खांडल ने इस पहल को सराहनीय बताते हुए स्वच्छता और संरक्षण के लिए निरंतर सहयोग का भरोसा जताया। यह अभियान न केवल पर्यटन क्षेत्र में स्वच्छता को नई गति देगा, बल्कि स्थानीय स्तर पर जागरूकता और रोजगार के अवसर भी सृजित करेगा।

नव वर्ष की शुरुआत दारू से नहीं, दूध व जूस से करें

-युवाओं में बढ़ती तेजी से नशे की लत बेहद घातक - साजिद खान
-नशे के विरुद्ध पोस्टर का विमोचन किया गया

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। जोधपुर नववर्ष के अवसर पर जोधाणा जागरूक मंच संस्थान और कुरेशी महासभा संस्थान राजस्थान के संयुक्त तत्वावधान में नशा मुक्ति अभियान के तहत आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से पोस्टर विमोचन किया गया। युनाइटेड उम्माह वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष अब्दुल रहीम सांखला ने जोधाणा जागरूक मंच संस्थान द्वारा चलाई जा रही नशा मुक्त समाज मूहिम की सराहना की वहीं दूसरी ओर आसिफ खान सिंधी द्वारा इस मौके पर आमजन से अपील की कि वह आगे बढ़े और इस मुहीम का हिस्सा बने जो संस्थाएं एवं आमजन इस कार्य में सहयोग एवं जागरूक करने का काम करेंगे उनको उचित इनाम देने का ऐलान किया संस्थापक साजिद खान कहां की युवाओं में बढ़ती तेजी से नशे की लत बेहद घातक है युवाओं का भविष्य क्राइम की ओर बढ़ रहा है सरकार, प्रशासन, धर्म गुरुओं और परिवारजन को इस और विशेष ध्यान देने की जरूरत है। में युवाओं से आह्वान करता हूं कि वह इस नववर्ष के मोके पर नशा छोड़ दूध व जूस से नई शुरुआत करें पोस्टर के माध्यम से नशीले पदार्थों के स्थान पर स्वस्थ विकल्प अपनाने का संदेश दिया गया। जिसमें लोगों को नववर्ष की शुरुआत नशे से दूर रहकर स्वास्थ्यवर्धक आदतों के साथ करने के लिए प्रेरित किया जा सके। पोस्टर विमोचन के मौके पर समाजसेवी जावेद हुसैन, यूनाइटेड उम्माह वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष अब्दुल रहीम सांखला, आसिफ खान सिंधी नवीन जोधाणा जागरुक मंच संस्था के संरक्षक मोहम्मद इरफान कुरैशी, संस्थापक साजिद खान, यूथ विंग के अध्यक्ष अकरम सांखला, मोहम्मद हारुन, इफ्तिखार अहमद, रईस अजमेरी आदि उपस्थित रहे।

जश्ने गरीब नवाज 2 जनवरी को पोस्टर विमोचन किया

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। फैजाने गोसे आजम तैबा कमेटी के संस्थापक एवं कार्यक्रम संयोजक आसिफ नूरी ने बताया कि जश्ने गरीब नवाज 2 जनवरी शुक्रवार बाद नमाज-ए-इशा हजरत मुंशी सिफ्त हुसैन दरगाह परिसर रामबाग के पीछे आयोजित होगा कार्यक्रम को लेकर कमेटी द्वारा पोस्टर विमोचन किया गया कार्यक्रम में दरबंगा बिहार से पीर सय्यद शम्सुल्लाह जान मिस्बाही, बीकानेर से सय्यद हातिम शाह चिश्ती, अल्हाज मोइनुद्दीन अशरफी, सय्यद नूर मियां, साजिद हुसैन रजवी इत्यादि ओलमा-ए-अहले सुन्नत शिरकत करेंगे। मीडिया प्रभारी साजिद खान जोधाणा ने बताया कि ये कार्यक्रम शादी के मौका पर रखा गया है आमजन को फिजूल रस्मो की जगह शादी को आसान बनाने के लिए इस तरह के आयोजन करने की बहुत ज्यादा आवश्यकता है। साजिद खान जोधाणा ने बताया कि पोस्टर विमोचन के मौके पर कारी इस्लामुद्दीन, नुरूद्दीन, मुहम्मद सईद आलमी, मोहम्मद शाहिद, शाकीर नुरी, आजाद रिजवी, शाहरुख (भूरजी), नियाज इरफान, अतारी, असगर, सलाउद्दीन सहित कई अकीदतमंद उपस्थित रहे।

जिला कलेक्टर का श्रम विभाग में औचक निरीक्षण

-मिशन बुनियाद के प्रभावी क्रियान्वयन के दिए निर्देश

हनुमानगढ़ (रॉयल पत्रिका)। जिला कलेक्टर डॉ. खुशाल यादव ने मंगलवार को श्रम विभाग हनुमानगढ़ कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विभागीय योजनाओं की प्रगति, लंबित प्रकरणों की स्थिति तथा उपकर संग्रहण लक्ष्यों की समीक्षा की। जिला कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी लंबित मामलों का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया जाए तथा योजनाओं का लाभ पात्र श्रमिकों तक समयबद्ध रूप से पहुंचे। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने जिले में उपकर संग्रहण की प्रगति पर भी नाराजगी जताई और निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए प्रभावी कार्ययोजना बनाकर कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि श्रम विभाग की योजनाएं श्रमिकों के सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण से जुड़ी हैं, ऐसे में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसके पश्चात जिला कलेक्टर ने मिशन बुनियाद के सफल क्रियान्वयन को लेकर ईंट भट्टा संचालक संघ के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा की। बैठक में बंधक श्रमिकों से जुड़े मामलों पर विशेष रूप से चर्चा हुई। ईंट भट्टा एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष सुरेन्द्र तिवाड़ी ने अवगत कराया कि जिले में कुछ गिरोह सक्रिय हैं, जो राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग एवं अनुसूचित जाति एवं जनजाति आयोग की फर्जी मोहर लगाकर बंधक श्रमिकों से संबंधित झूठी शिकायतें दर्ज करवा रहे हैं, जिससे ईंट भट्टा संचालकों का शोषण हो रहा है। इस पर जिला कलेक्टर ने कड़ा रुख अपनाते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि यदि किसी भी प्रकार की फर्जी या झूठी शिकायत सामने आती है, तो संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ तत्काल एफआईआर दर्ज कर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि वास्तविक पीड़ितों को न्याय दिलाना प्रशासन की प्राथमिकता है, लेकिन झूठे मामलों के जरिए दबाव बनाने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। इस मौके पर श्रम कल्याण अधिकारी देवेंद्र मोदी मौजूद रहे।

15वीं राज्य स्तरीय पैरा एथलेटिक्स प्रतियोगिता में झुंझुनू के सुरेश कुमार को मिला सिल्वर मेडल

झुंझुनू (रॉयल पत्रिका)। श्रीगंगानगर में 27 दिसंबर से 30 दिसंबर तक आयोजित हुई 15वीं राज्य स्तरीय पैरा एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह प्रतियोगिता राज्य स्तरीय चैंपियनशिप सत्र 2025-26 के अंतर्गत आयोजित हुई। इस प्रतियोगिता में जिले के खेतड़ी तहसील के सुनारी गांव के निवासी सुरेश कुमार चैधरी ने एफ-54 एफ-55 एफ-57 संयुक्त श्रेणी में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए रजत (सिल्वर) पदक प्राप्त किया। सुरेश कुमार अपनी व्यक्तिगत कैटेगरी में प्रथम स्थान पर रहे, लेकिन संयुक्त कैटेगरी के कुल अंकों (कंबाइंड पॉइंट्स) के आधार पर उन्हें सिल्वर मेडल प्राप्त हुआ। इस अवसर पर जिला कलेक्टर झुंझुनू डॉ. अरुण गर्ग द्वारा सुरेश कुमार को मेडल पहनाकर एवं मिठाई खिलाकर सम्मानित किया गया तथा नेशनल प्रतियोगिता के लिए अग्रिम बधाई दी गई। इस दौरान भू-अभिलेख कलेक्ट्रेट कार्यालय झुंझुनू में भी इनका स्वागत किया गया, जहां वे कनिष्ठ सहायक पद पर कार्यरत हैं। इस प्रतियोगिता के उपरांत सुरेश कुमार का चयन राष्ट्रीय स्तर (नेशनल) प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई हो गया है। सुरेश कुमार वर्तमान में स्वर्ण जयंती स्टेडियम, झुंझुनू में कोच विशाल कुमार शर्मा के मार्गदर्शन में नियमित प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। सुरेश कुमार ने बताया कि "मेरे कार्यालय द्वारा खेलों के प्रति मुझे निरंतर सहयोग मिलता है, इसी सहयोग के कारण मैं यह पदक प्राप्त कर सका।"

जिला स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह 2026 की तैयारियों को लेकर एडीएम ने ली बैठक

बारां (रॉयल पत्रिका)। अतिरिक्त जिला कलक्टर भंवरलाल जनागल ने आगामी गणतंत्र दिवस 26 जनवरी के आयोजन को गरिमापूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराने के उद्देश्य से संबंधित अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में अतिरिक्त जिला कलक्टर ने परेड, ध्वजारोहण, सांस्कृतिक कार्यक्रम, आमंत्रण व्यवस्था, सुरक्षा, यातायात, चिकित्सा, पेयजल, स्वच्छता एवं विद्त आपूर्ति सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ समयबद्ध तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश दिए तथा राष्ट्रीय पर्व की मर्यादा के अनुरूप कार्यक्रम आयोजित करने पर विशेष जोर दिया। बैठक में एसडीएम विश्वजीत सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश चौधरी, सीएचएमओ संजीव सक्सेना, डीटीओ डॉ. कल्पना शर्मा, नगर परिषद से सहायक अभियंता मानसिंह मीणा सहित अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

पीएम सूक्ष्म खाद्य उद्योग योजना के लाभार्थी बनें ब्रांड एम्बेसडर : जिला कलेक्टर

-प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना को लेकर कार्यशाला आयोजित

हनुमानगढ़ (रॉयल पत्रिका)। आत्मनिर्भर भारत अभियान के अंतर्गत कृषि विपणन विभाग खंड हनुमानगढ़ द्वारा कृषि उपज मंडी समिति परिसर में मंगलवार को प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना को लेकर आयोजित कार्यशाला में जिला कलेक्टर डॉ. खुशाल यादव ने कहा कि इस योजना के लाभार्थी स्वयं इसके ब्रांड एम्बेसडर हैं। जब कोई व्यक्ति अपने आसपास किसी को उद्योग स्थापित कर लाभ कमाते देखता है, तो उससे प्रेरणा लेकर अन्य लोग भी आगे आते हैं। इसलिए विभाग योजना की अधिकाधिक जानकारी आमजन तक पहुंचाए। कार्यशाला के दौरान जिला कलेक्टर ने योजना के लाभार्थियों से सीधे संवाद किया और उनके द्वारा लगाए गए उत्पादों के स्टॉल का निरीक्षण किया। उन्होंने प्रत्येक स्टॉल पर उत्पादों की गुणवत्ता, विपणन और योजना से मिले लाभों की जानकारी ली। मंच से संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार द्वारा समाज के हित में अनेक कल्याणकारी योजनाएं लागू की गई हैं, जिनकी जानकारी प्राप्त करना और दूसरों तक पहुंचाना दोनों ही अत्यंत लाभकारी है। यही इस प्रकार की कार्यशालाओं की सार्थकता है। कार्यशाला में गणेश इंडस्ट्रीज पल्लू, श्याम राजभोग इंटरप्राइजेज संगरिया रोड बसीर, जय दुर्गा ऑयल मिल गोलूवाला, वेस्ट होम फूड्स गोलूवाला, जेपी मसाला उद्योग गोलूवाला, विनायक इंडस्ट्रीज रामगढ़, गणेश ग्राम उद्योग संगरिया, मित्तल ट्रेडिंग कंपनी हनुमानगढ़ तथा लवली स्वीट्स संगरिया सहित कई इकाइयों द्वारा मिठाइयां, बताशा, पशु आहार, कच्ची घानी सरसों तेल एवं घरेलू मसालों की प्रदर्शनी लगाई गई। जिला कलेक्टर ने इन प्रयासों की सराहना करते हुए अन्य उद्यमियों को भी इससे प्रेरणा लेने का आह्वान किया। हम्मालों की पुत्रियों के विवाह सहायता योजना एवं बच्चों के लिए छात्रवृत्ति योजना को महत्वपूर्ण बताते हुए जिला कलेक्टर ने मौके पर नवविवाहित विजय कुमार एवं उनकी पत्नी को साफा व चुनरी ओढ़ाकर एवं मेधावी हम्माल पुत्र आकाश को श्रेष्ठ पुस्तकें भेंट कर सम्मानित किया। कार्यशाला में जिलेभर की मंडियों के सचिव, व्यापार संघ अध्यक्ष एवं बड़ी संख्या में हम्माल उपस्थित रहे। मंच संचालन एवं योजना की विस्तृत जानकारी क्षेत्रीय उपनिदेशक कृषि विपणन विभाग विष्णुदत्त शर्मा द्वारा दी गई। इस अवसर पर इन्द्र कुमार हिसारिया, मुकेश न्योल, हनुमान प्रसाद जैन, नरोत्तम सिंगला, बालकिशन गोल्यान, उद्योग विभाग जीएम दिव्या शर्मा तथा बैंकों के प्रतिनिधियों ने भी मौजूद रहे।

नववर्ष पर मोदी वर्ल्ड स्कूल ने दी गोल्फ कार्ट की अत्याधुनिक सौगात

-35 एकड़ के विशाल कैम्पस और स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स को विजिट करना हुआ अब और भी आसान

झुंझुनूं (रॉयल पत्रिका)। मोदी वल्र्ड स्कूल विज्डम सिटी झुंझुनूं के 35 एकड़ में फैले विशाल कैम्पस और स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स को विजिट करना अब और भी आसान हो गया है। नववर्ष 2026 के शुभागमन पर स्कूल मैनेजमेंट ने न्यू विजिटर्स और अभिभावकों को गोल्फ कार्ट के रूप में अत्याधुनिक व अनूठी सौगात दी है। खुशी व्यक्त करते हुए चेयरमैन डॉ. दिलीप मोदी ने बताया कि पिछले कई वर्षों से स्कूल के विशाल कैम्पस को पैदल विजिट करना बड़ा मुशिकल हो रहा था तथा समय भी बहुत लगता था, जिस कारण विजिटर्स और अभिभावकों को भी दिक्कत होती थी। इन सब परेशानियों को ध्यान में रखने हुए हमने नववर्ष पर गोल्फ कार्ट की व्यवस्था की है जिससे थोड़े से समय में अधिक लोगों को एक साथ विजिट करवाई जा सके तथा श्रम और समय की भी बचत हो सके तथा इससे बुजुर्गों, दिव्यांगों, अतिथियों तथा विशेष आवश्यकता वाले व्यक्ति यों को विशेष सहूलियत मिलेगी। डायरेक्टर आकाश मोदी ने बताया कि यह पहल आधुनिक सुविधाओं के विस्तार और सभी के लिए सुरक्षित एवं सुगम वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। गोल्फ कार्ट सेवा शुरू होने से स्कूल में आगंतुकों का अनुभव और भी बेहतर होगा। मोदी वर्ल्ड स्कूल झुंझुनूं का एकमात्र स्कूल है जिसमें विजिट के लिए गोल्फ कार्ट की अत्याधुनिक व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि इस सुविधा के जरिए अभिभावक और अन्य लोग स्कूल की शैक्षणिक इमारत, अत्याधुनिक छात्रावास, हाईटेक मैस ,आधुनिक खेल मैदानों और उपलब्ध सभी सुविधाओं को सहजता के साथ देख सकेंगे। स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में क्रिकेट, फुटबॉल, बैडमिंटन, बास्केटबॉल, स्विमिंग पुल, हॉर्स राइडिंग जैसी विविध खेल सुविधाओं की झलक अब एक ही भ्रमण में आराम से मिल सकेगी। उल्लेखनीय है कि मोदी वर्ल्ड स्कूल में क्वालिटी एज्युकेशन के साथ-साथ सभी स्टाफ मेम्बर्स एवं विद्यार्थियों के स्वास्थ्य का भी पूरा ध्यान रखा जाता है। गोल्फ कार्ट की व्यवस्था से पूर्व स्कूल में पर्यावरण के सभी मापदण्डों को जानने के लिए स्मार्ट वेदर स्टेशन जैसे नवाचार की भी सभी अभिभावकों व शहरवासियों ने प्रशंसा की थी, इस सिस्टम द्वारा स्वास्थ्य सम्बन्धी सभी मापदण्डों की सटीक जानकारी देने के कारण अभिभावकों को भी यह पता रहता है कि शहर की बजाय स्कूल का एक्यूआई बहुत ही कम है और उनके बच्चे शुद्ध हवा में सांस ले रहे हैं। इस अवसर पर मैनेजिंग डायरेक्टर नीरजा मोदी, डायरेक्टर गरिमा मोदी, छात्रावास निदेशक कुरड़ाराम धींवा, स्कूल प्राचार्य डॉ. रवि शंकर शर्मा, उप प्राचार्या सरोज सिंह, हैड मिस्ट्रेस उमा शर्मा, एडमिशन डायरेक्टर श्याम सुंदर शर्मा, प्रशासक कमलेश कुलहरि एवं स्टाफ मैम्बर्स ने खुशी जताई ।

ईट राइट अभियान के तहत सीएचओ को दिया खाद्य सुरक्षा का प्रशिक्षण

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिले में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की खाद्य सुरक्षा विंग के द्वारा सभी सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों (सीएचओ) को ईट राइट अभियान के तहत प्रशिक्षण दिया गया। सीएमएचओ डॉ. मनोज शर्मा ने बताया कि प्रशिक्षण में सीएचओ को खाद्य पदार्थों में मिलावट की जांच के सूक्ष्म तरीके व आमजन को मिलावटी खाद्य पदार्थों से बचाव के लिए अपनाई जाने वाली सावधानियों के बारे में जागरूक करने के बारे में बताया गया। उप मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रवीण झूरिया ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूक करने के सीएचओ की महती भूमिका है।खाद्य सुरक्षा अधिकारी रतन गोदारा ने बताया कि खाद्य पदार्थों में किस प्रकार की मिलावट हो सकती है तथा किस प्रकार आमजन को जागरूक करने की आवश्यकता है, इसके बारे में जानकारी दी गई। इस दौरान एमएफटीएल वैन के माध्यम से नमूने लेने की प्रक्रिया के बारे में बताया गया। प्रशिक्षण में एनसीडी के समन्वयक डॉ. प्रेमशंकर शर्मा व नर्सिंग ट्यूटर शाहिद अली ने प्रशिक्षण दिया।

700 करोड़ पार हुई धुरंधर, ऐसा करने वाली साल की पहली फिल्म

मुंबई। बॉलीवुड में हर साल कई बड़ी फिल्में आती हैं, लेकिन कुछ ही ऐसी होती हैं जो लंबे समय तक सिनेमाघरों में टिककर इतिहास रचती हैं। इन्हीं में से एक नाम बन चुका है फिल्म धुरंधर, जिसने रिलीज के चौथे हफ्ते में भी अपनी रफ्तार बरकरार रखी है। जिस तरह से फिल्म ने लगातार चार शनिवार को शानदार कमाई की है। चौथे हफ्ते के शनिवार को फिल्म ने 20 करोड़ से ज्यादा कलेक्शन किया। आमतौर पर इस स्टेज पर फिल्में सीमित स्क्रीन्स और कम शो के साथ संघर्ष करती हैं, लेकिन धुरंधर ने इसके उलट शानदार प्रदर्शन किया। इसी के साथ ही फिल्म ने सिर्फ भारतीय बॉक्स ऑफिस पर ही 700 करोड़ का आंकड़ा पार कर दिया है और इसी के साथ इस साल ऐसा करने वाली पहली फिल्म भी बन गई है।

लाइफ Style

हुमा
एलिजाबेथ के किरदार में बिखेरेंगी जलवा

केजीएफ स्टार यश की मच अवेटेड फिल्म टॉक्सिक को लेकर फैंस काफी उत्साहित हैं। यही कारण है कि फैंस फिल्म के हर एक अपडेट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अभिनेत्री कियारा आडवाणी के बाद अब फिल्म से हुमा कुरैशी का फर्स्ट लुक सामने आया है।

एजेंसी ▶▶ मुंबई

मेकर्स ने इंस्टाग्राम पर हुमा कुरैशी के लुक को जारी किया है। इस लुक में हुमा काले कपड़ों में खड़ी नजर आ रही हैं। एक काले रंग की कार के पास हुमा एक मॉडर्न गाउन पहने खड़ी हैं और पोज दे रही हैं। पीछे एक परी की तरह की मूर्ति भी नजर आ रही है। हुमा के लुक को शेयर करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में लिखा, 'पेश है टॉक्सिक- फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स में एलिजाबेथ के किरदार में हुमा कुरैशी।'इस लुक में हुमा किसी महारानी की तरह नजर आ रही हैं। उनका लुक उनके किरदार के दमदार होने का सबूत देता है। इससे पहले फिल्म से कियारा आडवाणी का लुक भी सामने आ चुका है। अभिनेता यश ने ही कियारा आडवाणी के लुक को भी रिवील किया था। इसमें कियारा रैंप पर वॉक करती दिख रही थीं। उन्होंने ऑफ शोल्डर हाई स्लिट गाउन पहना हुआ था। रैंप वॉक करते हुए वह रो रही थीं। उनके चेहरे पर आंसू के निशान दिख रहे थे। हालांकि उनके पीछे जश्न का माहौल नजर आया था। पोस्टर शेयर करते हुए यश ने कैप्शन में लिखा था 'टॉक्सिक- फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स में नादिया के रूप में कियारा आडवाणी।' गीतू मोहनदास द्वारा निर्देशित 'टॉक्सिक' 19 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होनी है।

हॉलीवुड मसाला

बोल्ड किरदारों के लिए फेमस थीं

लॉस एंजिल्स। यूरोपीय सिनेमा और ग्लैमर की दुनिया से एक युग का अंत हो गया है। फ्रेंच सिनेमा और हॉलीवुड में अपनी अलग पहचान बनाने वाली दिग्गज अभिनेत्री और गायिका ब्रिजिट बार्डो का 91 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। बार्डो सिर्फ एक फिल्म स्टार नहीं थीं, बल्कि वह 20वीं सदी की उन शख्सियतों में शामिल रहीं जिन्होंने सिनेमा, फैशन, महिला स्वतंत्रता और सामाजिक बहसों को नई दिशा दी। 1950 और 60 के दशक में ब्रिजिट बार्डो का नाम ग्लैमर और बोल्डनेस का पर्याय बन गया था।

वो हॉलीवुड गाना जो बना लाखों दिलों की धड़कन

लॉस एंजिल्स। 34 साल के एड शीरन ने अपने गानों से हर जवां दिल पर राज किया है और आज वो इंडियन म्यूजिक लवर्स के लिए किसी आइकॉन से कम नहीं हैं। साल 2014 में सिंगर एड शीरन का गाना 'फोटोग्राफ' रिलीज हुआ था, जिसके लिरिक्स में वो पुरानी यादों और तस्वीरों की बात करते हैं। सिंगर इस सॉन्ग में दर्शाते हैं कि हम अपने अच्छे पलों को तस्वीरों में सजाकर इसलिए रखते हैं, ताकि हम उन्हें दोबारा जी सकें। एड शीरन के इस गाने का एक और वर्जन आज से 10 साल पहले रिलीज किया था, जिसमें उन्होंने अपने माता-पिता द्वारा लिए गए उनकी बचपन की वीडियो को एड किया था। वहीं इस गाने में सिंगर के स्ट्रगल को भी क्लिप के जरिए दिखाया गया था। सॉन्ग 'फोटोग्राफ'को इंडिया में आज भी सालों बाद उतना ही पसंद किया जाता है, जितना साल 2014 में लोगों ने पसंद किया था।

प्रलय में रणवीर के साथ आएंगी नजर...

नई दिल्ली। साल की सबसे कमाऊ फिल्म 'धुरंधर' देने के बाद रणवीर सिंह प्रलय की तैयारी में जुटने वाले हैं। मार्च 2026 में धुरंधर का दूसरा पार्ट आएगा जिसके बाद रणवीर प्रलय की शूटिंग शुरू करेंगे। हालांकि इस फिल्म के बारे में ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन हीरोइन को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। प्रलय में रणवीर सिंह के साथ जिस हीरोइन का नाम सामने आ रहा है वो है आलिया भट्ट। जी हां रणवीर सिंह और आलिया भट्ट अपनी सफल फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी (RRKPK) के बाद एक बार फिर साथ काम कर सकते हैं। एक हालिया मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, रणवीर सिंह की आने वाली फिल्म प्रलय में फीमेल लीड रोल के लिए आलिया भट्ट के नाम पर विचार किया जा रहा है, जिसे जय मेहता डायरेक्ट करेंगे।

अक्षय की जगह दृश्यम-3 में होंगे जयदीप

मुंबई। बॉलीवुड में जब भी किसी बड़े प्रोजेक्ट से जुड़ा विवाद सामने आता है, तो चर्चाओं का बाजार अपने आप गर्म हो जाता है। इन दिनों ऐसा ही कुछ देखने को मिल रहा है फिल्म 'दृश्यम 3' को लेकर, जहां कास्टिंग को लेकर दिए गए एक बयान ने इंडस्ट्री में हलचल मचा दी है। फिल्म के निर्माता कुमार मंगत पाठक के हालिया बयान ने न सिर्फ सुर्खियां बटोरी हैं, बल्कि दो दमदार अभिनेताओं अक्षय खन्ना और जयदीप अहलावत की तुलना को लेकर बहस भी छेड़ दी है। निर्माता कुमार मंगत पाठक ने इस बात की पुष्टि की कि फिल्म दृश्यम 3 में अक्षय खन्ना की जगह अब जयदीप अहलावत नजर आएंगे। इतना ही नहीं, उन्होंने इस बदलाव को ईश्वर की कृपा बताते हुए जयदीप को अक्षय से बेहतर अभिनेता तक कह डाला।

टीवी मसाला

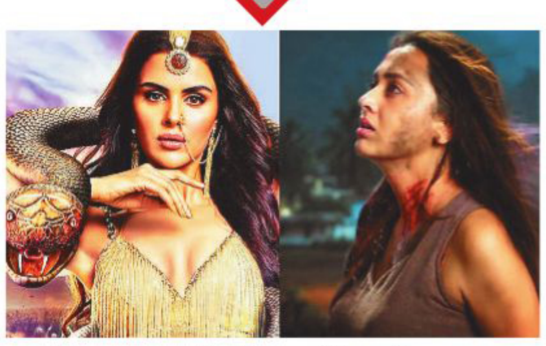

नागिन 7 में तेजस्वी की झलक प्रियंका से ज्यादा रही चर्चा...

नई दिल्ली। सीरियल 'नागिन 7' में लीड रोल में प्रियंका चाहर चौधरी हैं। वह इस बार इच्छाधारी नागिन के रोल में नजर आएंगी। इससे पहले के सीजन में नागिन का रोल तेजस्वी प्रकाश ने किया। वहीं सबसे पहले सीजन में मौनी रॉय नागिन के किरदार में दिखी थीं। तेजस्वी और मौनी रॉय को इस किरदार में सबसे ज्यादा पसंद किया गया। हाल ही में जब सीरियल 'नागिन 7' का पहला एपिसोड दर्शकों ने देखा तो लीड एक्ट्रेस प्रियंका चाहर से ज्यादा चर्चा तेजस्वी प्रकाश रही। सोशल मीडिया पर 'नागिन 7' के कुछ वीडियो वायरल हैं, जिसमें पहले एपिसोड की शुरुआत ही तेजस्वी प्रकाश से होती है। वह नागिन के किरदार में हैं, जो अपने पूरे जीवन को याद करती है। दरअसल, वह घायल है, साथ ही गर्भवती भी है। एक परिवार से मदद मांगती है। फिर एक बच्ची का जन्म होता है, जो आगे चलकर नई नागिन (प्रियंका चाहर) बनेगी। सोशल मीडिया पर फैंस ने जब 'नागिन 7' में तेजस्वी को देखा तो जमकर रिएक्शन दिए। एक यूजर ने लिखा, 'यह बात मेकर्स को पता है कि अभी भी नागिन 7 में तेजस्वी प्रकाश की जरूरत है।' एक अन्य यूजर ने लिखा, 'तेजस्वी की स्क्रीन प्रेजेंस सच में बहुत शानदार है। उन्हें नागिन के रूप में फिर से स्क्रीन पर देखना बहुत अच्छा लगा। और सच कहूं तो...तेजू हमेशा मेरे लिए 'द नागिन' रहेंगी।' प्रियंका चाहर की एंट्री से पहले ईशा सिंह की एंट्री शो में हुई। वह प्रियंका चाहर के किरदार की बहन के तौर पर नजर आएंगी। लेकिन क्या वह भी इच्छाधारी नागिन हैं, यह आने वाले एपिसोड में पता चलेगा। लेकिन फैंस ने ईशा की एंट्री को भी पसंद किया है।

चाचा जी के लिए मुसीबत बना पोपटलाल का छाता

नई दिल्ली। तारक मेहता का उल्टा चश्मा में अबतक आपने देखा कि चाचा जी अभी तक पेड़ पर ही अटके हुए हैं। उन्हें पेड़ से उतारने की हर मुमकिन

कोशिश हो रही है, लेकिन किसी का कोई भी आइडिया काम नहीं कर रहा है। बड़ी मुश्किल से टप्पू और उसके दोस्तों का लंबी सीढ़ी का आइडिया काम में आया था, लेकिन इस आइडिया के बीच सांप आ गया। अगले एपिसोड में आप देखेंगे कि चाचा जी को सांप से बचाने के लिए भिड़े पोपटलाल का छाता मांगेगा। वो कहेगा कि पोपटलाल का छाता वो ऊपर फेंका। ये बात सुनते ही पोपटलाल भड़क जाता है। वो कहता है कि वो अपना छाता फेंकने नहीं देगा। इसके बाद भिड़े उसे समझाता की ये छाता वो चाचा दी को देगा ताकि चाचा जी वो छाता खोलकर बैठ जाएं और सांप उन्हें न काट पाए। इसके बाद भिड़े वो छाता चाचा जी को देगा। लेकिन पोपटलाल का ये छाता चाचा जी के लिए और मुसीबत लाएगा।

निर्माता ने अमिताभ को दिया था अवॉर्ड खरीदने का ऑफर

सदी के महानायक ने कही थी हैरान करने वाली बात

मुंबई। अमिताभ बच्चन बॉलीवुड के सबसे बड़े अभिनेताओं में से एक हैं। वह अपनी अदाकारी के अलावा अपने कुछ उसूलों के लिए जाने जाते हैं। फिल्म 'खुदा गवाह' के निर्माता मनोज देसाई ने उनसे जुड़ा एक किस्सा साझा किया है। मनोज देसाई ने दावा किया है कि अमिताभ बच्चन को एक बार बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड खरीदने का ऑफर दिया गया था, जिसे उन्होंने मना कर दिया था। विक्की लालवानी से बातचीत में निर्माता मनोज देसाई ने यह खुलासा किया।

अमिताभ अवॉर्ड नहीं खरीदते

बातचीत में मनोज देसाई ने कहा, 'एक बार मैं और अमिताभ बच्चन अवॉर्ड फंक्शन के दौरान साथ बैठे थे। रऊफ अहमद (दिवंगत फिल्म लेखक) मेरे पास आए और मुझसे पूछा, 'अगर मैं अमिताभ बच्चन को बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड दूं, तो क्या तुम इस पार्टी का पूरा खर्च उठाओगे?' मैंने यही बात अमिताभ बच्चन से पूछी। इस पर उन्होंने मुझसे कहा अमिताभ अवॉर्ड नहीं खरीदते।

धर्मेंद्र ने भी नहीं खरीदा अवॉर्ड

मनोज देसाई ने दावा किया कि धर्मेंद्र भी अमिताभ बच्चन की तरह अवॉर्ड न खरीदने के सिद्धांत पर चलते थे। उन्होंने कहा, 'धर्मेंद्र ने भी ऐसे ऑफर को मना कर दिया था। उन्होंने कहा कि वह कोई अवॉर्ड नहीं खरीदेंगे। जब उन्हें लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड मिला था, तब उन्होंने अपनी स्पीच में कहा था कि उन्हें अपनी कई पिछली फिल्मों के लिए अवॉर्ड मिलने चाहिए थे, लेकिन उन्हें वे अवॉर्ड नहीं दिए गए।'

बिग बी का वर्कफ्रंट

मुकुल एस आनंद के निर्देशन में बनी फिल्म 'खुदा गवाह' में श्रीदेवी ने डबल रोल किया था। इसमें शिल्पा शिरोडकर और नागार्जुन अहम किरदार में थे। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हिट रही थी। अमिताभ बच्चन को आखिरी बार तमिल फिल्म 'वेट्टैयन' में देखा गया था। वह अपकमिंग फिल्म 'रामायण' का हिस्सा होंगे।

लगातार बढ़ रहे हैं फिल्मों की टिकटों के दाम : माधुरी

नई दिल्ली। कोविड के बाद से ये देखा जा रहा है कि सिनेमाघरों से जनता धीरे-धीरे दूरी बना रहे हैं। जिसकी वजह थिएटर्स में फिल्मों की टिकटों के बढ़ते दाम हैं। जो फिल्म अच्छी होती हैं, उन्हें देखने के लिए भारी तादाद में बेशक लोग पहुंचते हैं, लेकिन अगर किसी मूवी को लेकर उनके मन में द्वंद्व है तो वह पैसा बचाने के लिए उसकी ओटीटी रिलीज का इंतजार करते हैं। हाल ही में माधुरी दीक्षित वेब सीरीज मिसेज देशपांडे में नजर आई हैं, जिसको लेकर उनका नाम फिलहाल चर्चा में बना हुआ है। इस बीच माधुरी ने एक इंटरव्यू में फिल्मों की टिकटों के बढ़ती कीमतों को लेकर खुलकर बात की है और कहा है 'अगर फिल्म की कहानी अच्छी है तो वह हर हाल में चलेगी और लोग उसे देखने के लिए थिएटर्स में पहुंचेंगे। इस आधार पर ये कहा जा सकता है कि फिल्में चल नहीं रही हैं, लेकिन सही मायनों में देखा जाए तो टिकटों के दाम काफी ज्यादा है।

परिवार को सिनेमाघरों में एक फिल्म देखने के लिए अपना बजट बनाना पड़ता है। इस वजह से वे ध्यान से सोचते हैं कि कौन सी मूवी देखनी चाहिए और कौन सी नहीं। हालांकि, ओटीटी भी इसमें अहम भूमिका अदा करता है। अब जनता को घर बैठे ऑनलाइन एंटरटेनमेंट मिल रहा है और वीकेंड में लोग सिनेमाघरों से ज्यादा घर पर बैठकर ओटीटी पर फैमिली के साथ मनोरंजन का आनंद लेते हैं। कभी भी किसी भी समय पर ओटीटी पर फिल्म और सीरीज आसानी से देखने को मिल जाती हैं।' इस तरह से माधुरी दीक्षित ने फिल्मों की टिकटों की बढ़ती कीमतों लेकर अपनी राय रखी है और बताया है कि किस तरह से सिनेमा जगत को प्रभावित कर रहा है। माधुरी दीक्षित की वेब सीरीज मिसेज देशपांडे को हाल ही में ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो हॉटस्टार पर ऑनलाइन रिलीज किया गया है।

रोंगटे खड़े कर देने वाली कहानियों ने दर्शकों को बांधे रखा सिनेमाघरों में

साल 2025 में इन 6 हॉरर फिल्मों ने जमकर डराया

नई दिल्ली। साल 2025 हॉरर फिल्मों के शौकीनों के लिए एक शानदार साल साबित हुआ। इस साल रोंगटे खड़े कर देने वाली कहानियों और पुरानी हिट फ्रेंचाइजी की वापसी ने सिनेमाघरों में खौफ का जबरदस्त माहौल बनाए रखा। पर्दे पर सिर्फ भूत-प्रेत ही नहीं, बल्कि दिमाग घुमा देने वाले साइको-थ्रिलर और लोककथाओं पर आधारित अलौकिक शक्तियों का ऐसा टशन देखने को मिला, जिसने दर्शकों को कुर्सी छोड़ने नहीं दी। साल 2025 डर और रोमांच के नाम रहा, जहां हॉरर जॉनर ने बॉक्स ऑफिस से लेकर ओटीटी प्लेटफॉर्म्स तक अपनी धाक जमाई। इस साल दर्शकों को सिर्फ डराया ही नहीं गया, बल्कि रोंगटे खड़े कर देने वाली कहानियों से उन्हें सिनेमाघरों में बांधे रखा गया। खासकर साउथ इंडियन सिनेमा ने अपनी लोककथाओं और पुरानी रस्मों-रिवाजों को जिस तरह हॉरर के साथ पिरोया, उसने दर्शकों के बीच एक अलग ही उत्सुकता पैदा की।

छोरी 2 : साल 2025 की शुरुआत में 11 अप्रैल 2025 को अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई 'छोरी 2' से हुई। नुसरत भरूचा और सोहा अली खान स्टारर इस सीक्वल ने पहले पार्ट की तरह अलौकिक तत्वों और साइलॉजिकल डर से दर्शकों को बांधे रखा। बेटी को बचाने के लिए मां की लड़ाई और भयावह शक्तियों का सामना करने वाली कहानी ने खूब सराहना बटोरी। यह फिल्म हॉरर में सोशल मैसेज को जोड़ने के लिए जानी गई।

द भूतनी : 1 मई को थिएटर्स में आई 'द भूतनी'. संजय दत्त, मौनी रॉय, सनी सिंह और पलक तिवारी स्टारर यह हॉरर-कॉमेडी कॉलेज कैंपस में वर्जिन ट्री पर रहने वाली भूतनी की कहानी पर आधारित थी। हंसाती और डराती इस फिल्म ने हल्का-फुल्का मनोरंजन दिया, हालांकि कुछ ने इसे हॉरर से ज्यादा कॉमेडी बताया।

मां : काजोल की 'मां' 27 जून को रिलीज हुई। यह माइथोलॉजिकल हॉरर फिल्म थी, जिसमें काजोल एक मां बनीं, जो अपनी बेटी को बचाने के लिए देवी काली का रूप धारण करती है। डेमोनिक कर्स और गांव की लोककथाओं पर आधारित यह फिल्म मदरहुड और सुपरनैचुरल का मिश्रण थी। काजोल की परफॉर्मेंस की तारीफ हुई।

बारामूला : 7 नवंबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई 'बारामूला'। मानव कौल और भाषा सुम्बली स्टारर यह सुपरनैचुरल थ्रिलर कश्मीर के बारामूला में बच्चों के गायब होने की जांच पर आधारित थी। पुलिस ऑफिसर के घर में छुपे राज और कश्मीरी पंडित से इंस्पायर्ड तत्वों ने इसे इमोशनल डेप्थ दी. अलग स्टोरीलाइन और रोंगटे खड़े करने वाले सीन ने इसे स्पेशल बनाया।

डाइस इरा : हैलोवीन पर 31 अक्टूबर को थिएटर्स में आई मलयालम हॉरर थ्रिलर 'डाइस इरा'। प्रणव मोहनलाल स्टारर यह फिल्म राहुल सदाशिवन के निर्देशन में बनी। एक अमीर आर्किटेक्ट की जिंदगी में सुपरनैचुरल घटनाओं की कहानी ने दर्शकों को रोमांचित किया। बाद में 5 दिसंबर को जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम हुई यह फिल्म साल की सबसे सफल हॉरर फिल्मों में शुमार हुई।

थामा : इसके अलावा 'थामा' जैसी हॉरर फिल्म ने भी साल 2025 में सिनेमाघरों में जमकर जलवा बिखेरा. आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना स्टारर फिल्म में भी हल्के अंदाज में हॉरर पुट देखने को मिले। इस हॉरर-कॉमेडी मूवी को आप ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं।

खबर संक्षेप

13 साल के जगरीत ने जीती फिडे रेपिड रेटिंग प्रतियोगिता

नई दिल्ली। दिल्ली के शतरंज खिलाड़ी जगरीत मिश्रा ने ग्रेटर नोएडा में पहले शतरंज वेदा फिडे रेपिड रेटिंग टूर्नामेंट में नौ दौर में 8.5 अंक के साथ खिताब जीता। तेरह साल के जगरीत ने इस जीत की बदौलत 90 रेटिंग अंक हासिल किए।माउंट कार्मेल स्कूल के छात्र जगरीत को इस जीत से 25 हजार रुपए की इनामी राशि मिली। टूर्नामेंट में 592 भारतीय और विदेशी खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया, जिसमें अंतरराष्ट्रीय मास्टर्स, फिडे मास्टर्स और कैंडिडेट मास्टर्स भी शामिल रहे। जगरीत ने हाल में मोंटेनेग्रो के ग्रैंडमास्टर ब्लागोजेविच ड्रागिसा (ईएलओ 2446) को हराया था।

मुल्तान सुल्तांस टीम का प्रबंधन करेगा पीसीबी

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने पुष्टि की है कि शासी निकाय पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) के अगले सत्र में मुल्तान सुल्तांस फ्रेंचाइजी का प्रबंधन करेगा। नक़वी ने कहा कि समय की कमी के कारण बोर्ड पीएसएल के अगले सत्र के दौरान मुल्तान फ्रेंचाइजी का संचालन के लिए किसी पूर्व क्रिकेटर की अध्यक्षता में समिति का गठन करेगा। उन्होंने पत्रकारों से कहा, 'पीएसएल की टीम मुल्तान सुल्तांस की नीलामी होने के बाद हम समिति का गठन करेंगे।' पीएसएल के 2016 में शुरू होने के बाद से यह पहली अवसर होगा जबकि बोर्ड सीधे तौर पर एक फ्रेंचाइजी का संचालन करेगा। माना जा रहा है कि उसका यह कदम एक ब्रांड के रूप में पीएसएल की प्रतिष्ठा को खतरे में डाल सकता है।

13 जनवरी से इंडिया ओपन टिकटों की बिक्री शुरू

नई दिल्ली। बीडब्ल्यूएफ इंडिया ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट का आयोजन केडी जाधव इंडोर हॉल की जगह इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में 13 से 18 जनवरी तक होगा। भारत को अगले साल अगस्त में प्रतिष्ठित विश्व चैंपियनशिप की मेजबानी करनी है और ऐसे में 9 लाख 50 हजार डॉलर इनामी इंडिया ओपन इस वैश्विक टूर्नामेंट के परीक्षण स्थल के रूप में काम करेगा। नए स्थल में आठ हजार से अधिक दर्शकों के बैठने की क्षमता है, जो पिछले स्थल की तुलना में दोगुने से अधिक है। इंडिया ओपन के टिकट ऑनलाइन 'टिकमिंट' पर उपलब्ध होंगे, जिनकी कीमत 400 रुपए से शुरू होकर 1750 रुपए तक होगी।

आईएलटी20 : अबूधाबी नाइट राइडर्स की प्लेऑफ में एंट्री

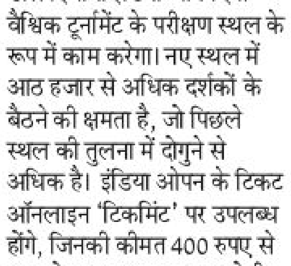

दुबई। माइकल पेप्पर और फिल साल्ट की शानदार पारियों की मदद से अबूधाबी नाइट राइडर्स ने लीग चरण के आखिरी मैच में गल्फ जायंट्स को 32 रन से हराकर आईएलटी20 क्रिकेट टूर्नामेंट के प्लेऑफ में जगह बनाई। नाइट राइडर्स अब एक जनवरी को एलिमिनेटर में दुबई कैपिटल्स का सामना करेगा। डेजर्ट वाइपर्स मंगलवार को क्वालीफायर एक में एमआई एमिरेट्स से भिड़ेगा। पेप्पर (51 गेंदों में 83 रन) और साल्ट (56 गेंदों में नाबाद 72 रन) के बीच पहले विकेट के लिए 131 रन की साझेदारी की मदद से नाइट राइडर्स ने एक विकेट पर 179 रन बनाए। इसके जवाब में गल्फ जायंट्स की टीम 9 विकेट पर 147 रन ही बना पाई।

नवीनतम 'बैटल ऑफ द सेक्सेस' में किर्गियोस का दबदबा, सबालेंका को दी मात

■ टाइमआउट के दौरान एरिना ने किया डांस

■ मुकाबले के सबसे महंगे टिकट लगभग 800 डॉलर में बिके

एजेंसी ▸▸ दुबई

निक किर्गियोस ने टेनिस में 'बैटल ऑफ द सेक्सेस' यानी दो अलग-अलग लिंग के खिलाड़ियों के बीच मुकाबले में महिला वर्ग में विश्व की नंबर एक खिलाड़ी एरिना सबालेंका को 6-3, 6-3 से हराया। यह एक प्रदर्शनी मैच था, जिसे लैंगिक समानता के लिए एक और ऐतिहासिक क्षण के बजाय हल्के फुल्के मनोरंजन के लिए याद किया जाएगा।

दोनों खिलाड़ी आपस में हंसी ठिठोली कर रहे थे। इस दौरान कुछ अंडर आर्म सर्विस भी देखने को मिली। यहां तक कि दुबई के 17,000 सीटों वाले कोकाकोला एरीना में दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए टाइमआउट के दौरान सबालेंका का नृत्य भी देखने को मिला। इस मुकाबले के सबसे महंगे टिकट लगभग 800 डॉलर में बिके।

दोनों खिलाड़ियों को दिया गया एक सर्विस का मौका

विंबलडन 2022 के उपविजेता किर्गियोस ने कलाई और घुटने की चोटों के कारण पिछले तीन वर्षों में केवल छह टूर-स्तरीय मैच खेले लेकिन वह कई बार अपनी क्षमता के अनुरूप खेलते हुए दिखाई दिए। उन्हें सबालेंका के कोर्ट के हिस्से के लगभग 10 प्रतिशत छोटे होने का नुकसान उठाना पड़ा लेकिन इसके बावजूद उन्होंने जीत दर्ज की। खिलाड़ियों को प्रत्येक प्वाइंट के लिए दो के बजाय केवल एक सर्विस करने का मौका दिया गया था। जब किर्गियोस ने अपने तीसरे मैच प्वाइंट पर जीत हासिल की तब तक वह पसीने से भीग चुके थे और दोनों खिलाड़ी नेट पर गले मिलते समय मुस्कुरा रहे थे।

टेनिस के लिए शानदार कदम

ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ी किर्गियोस ने मैच के बाद कहा, 'मैं शुरू में थोड़ा नर्वस था लेकिन मुझे लगता है कि यह टेनिस के लिए एक शानदार कदम है।' सबालेंका ने कहा,'यह मैच अगले सत्र के लिए अच्छी तैयारी है। मुझे इसमें बहुत मजा आया और मुझे लगता है कि अगली बार जब मैं उनके खिलाफ खेलूंगी तो मुझे उनकी रणनीति, उनकी ताकत और उनकी कमजोरियों के बारे में पता होगा और यह निश्चित रूप से एक बेहतर मुकाबला होगा।' तथाकथित 'बैटल ऑफ द सेक्सेस' नाम 1973 में बिली जीन किंग और बॉबी रिग्स के बीच हुए मैच से लिया गया था। किंग ने ह्यूस्टन एस्ट्रोडोम में खेले गए उस मुकाबले को सीधे सेटों में जीता था।

विजय हजारे ट्रॉफी

अच्छी शुरुआत के बावजूद सूर्यवंशी नहीं खेल पाए बड़ी पारी

310 के स्ट्राइक रेट से चला वैभव का बल्ला, 10 गेंद पर ठोके 31 रन

एजेंसी ▸▸ रांची

वैभव सूर्यवंशी ने विजय हजारे ट्रॉफी के प्लेट ग्रुप के तीसरे मैच में बिहार के लिए पारी की शुरुआत की और मेघालय के खिलाफ सिर्फ 10 गेंदों में 31 रन ठोक डाले। इस दौरान वैभव ने 6 चौके और 1 छक्का लगाया। उनका स्ट्राइक रेट 310 का रहा। लेकिन 14 साल के इस युवा क्रिकेटर को आकाश कुमार ने पवेलियन भेज दिया। 218 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए पांचवें ओवर की पहली गेंद पर दिप्पू ने वैभव का कैच पकड़ लिया। रांची के जेएससीए इंटरनेशनल स्टेडियम कॉम्प्लेक्स में मेघालय के खिलाफ इस मैच से वैभव से काफी उम्मीदें थीं, लेकिन अच्छी शुरुआत के बावजूद वो इसे बड़ी पारी में नहीं बदल पाए।

वहीं सीजन के पहले मैच में अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ उन्होंने सिर्फ 84 गेंदों पर 190 रन बनाए थे। उस मैच में बिहार ने रिकॉर्ड 397 रनों से जीत हासिल की थी। वैभव ने महज 36 गेंदों में सेंचुरी पूरी की, जो किसी भारतीय बल्लेबाज की लिस्ट ए क्रिकेट में चौथी सबसे तेज सेंचुरी है। इसके बाद उन्होंने 59 गेंदों में 150 रन का आंकड़ा पार कर लिया।

मुंबई ने छत्तीसगढ़ को हराया, शारदुल ने की शानदार गेंदबाजी

जयपुर। कप्तान शारदुल ठाकुर की शानदार गेंदबाजी से मुंबई ने विजय हजारे वनडे ट्रॉफी के ग्रुप सी मैच में सोमवार को छत्तीसगढ़ को 9 विकेट से हराकर अपनी जीत की हैट्रिक पूरी की। टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला करने के बाद शारदुल ने सुबह में तेज गेंदबाजों की मददगार परिस्थितियों का पूरा फायदा उठाते हुए पांच ओवर के अंदर छत्तीसगढ़ का स्कोर चार विकेट पर 10 रन कर दिया। कप्तान अमनदीप खरे (63) और अजय मंडल (46) के बीच पांचवें विकेट के लिए 105 रन की साझेदारी के बावजूद छत्तीसगढ़ की टीम शुरुआती झटकों से कभी नहीं उबरी। टीम 38.1 ओवर में 142 रन पर आउट हो गई। स्पिनर शम्स मुलानी ने आखिरी छह में से पांच विकेट झटक कर छत्तीसगढ़ की पारी को सस्ते में समेटने में योगदान दिया। मुलानी ने 31 रन देकर पांच विकेट लिए, जिससे छत्तीसगढ़ ने आखिरी छह विकेट 27 रन के अंदर गंवा दिए। अंगकृष रघुवंशी (66 गेंदों पर 68 नाबाद) और अनुभवी सिद्धेश लाड (42 गेंदों पर 48 नाबाद) ने दूसरे विकेट के लिए 102 रन की अटूट साझेदारी कर महज 24 ओवरों में ही मुंबई को नौ विकेट से एकतरफा जीत दिला दी।

6 जनवरी को विजय हजारे ट्रॉफी खेलेंगे कोहली

नई दिल्ली। दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) के अध्यक्ष रोहन जेटली ने बताया कि दिग्गज भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली 6 जनवरी को बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) में रेलवे के खिलाफ दिल्ली का विजय हजारे ट्रॉफी मैच खेलेंगे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के केंद्रीय अनुबंध हासिल करने वाले सभी खिलाड़ियों के लिए विजय हजारे ट्रॉफी के कम से कम दो मैचों में भाग लेना अनिवार्य किया था। कोहली हालांकि इस महीने न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू श्रृंखला की तैयारी के लिए तीसरा मैच भी खेलना चाहते हैं।

जुरेल ने 101 गेंद में खेली 160 रन की पारी

विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल ने विजय हजारे ट्रॉफी में तूफानी शतक लगाया। उत्तर प्रदेश की तरफ से खेलते हुए उन्होंने बड़ौदा के खिलाफ मुकाबले में 160 रन की नाबाद विस्फोटक पारी खेली। यह उनके लिस्ट ए करियर का पहला शतक है। ध्रुव जुरेल ने तीसरे नंबर पर आकर 101 गेंद का सामना किया और 15 चौके व आठ छक्के लगाए। उनकी शतकीय पारी से यूपी ने सात विकेट पर 369 रन का विशाल स्कोर बनाया। जुरेल ने कप्तान रिंकू सिंह के साथ चौथे विकेट के लिए 131 रन की साझेदारी की। इससे यूपी ने 200 का स्कोर पार किया। रिंकू ने भी शानदार फॉर्म जारी रखते हुए 67 गेंद में दो चौकों व तीन छक्कों से 63 रन की पारी खेली। उन्होंने विजय हजारे ट्रॉफी के लगातार तीसरे मैच में 50 प्लस स्कोर बनाया। पहले मैच में 67 और दूसरे में नाबाद 106 रन उनके बल्ले से आए थे।

महिला टी20

क्लीन स्वीप पर भारत की नजर सम्मान बचाने उतरेगा श्रीलंका

एजेंसी ▸▸ तिरुवनंतपुरम

भारतीय महिला क्रिकेट टीम अपने आक्रामक खेल को जारी रखते हुए श्रीलंका के खिलाफ मंगलवार 30 दिसंबर को होने वाले पांचवें और अंतिम महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में जीत दर्ज करके पांच मैच की श्रृंखला में 5-0 से क्लीन स्वीप करने की कोशिश करेगी।

यह श्रृंखला अगले साल जून-जुलाई में इंग्लैंड में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए भारत की तैयारियों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। श्रीलंका के खिलाफ वर्तमान श्रृंखला के बाद भारतीय टीम विश्व कप से पहले ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड में तीन-तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेगी। भारतीय टीम 2024 में टी20 विश्व कप में ग्रुप चरण से बाहर हो गई थी लेकिन इसके बाद उसने अपनी शैली में बदलाव किया और अधिक आक्रामकता अपनाई, जिससे उसे अनुकूल परिणाम मिले।

श्रृंखला हम सभी के लिए शानदार

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा, 'यह श्रृंखला हम सभी के लिए शानदार रही। पिछले विश्व कप के बाद हमने इसी बात पर चर्चा की थी कि हमें अपने स्तर को ऊपर उठाना होगा और टी20 में अधिक आक्रामक होकर खेलना होगा।' शुरुआती तीन मैचों में भारतीय गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया।

टीमें इस प्रकार

भारत : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, जेमिमा रोड्रिग्स, शेफाली वर्मा, हरलीन देयोल, अमनजोत कौर, अरुंधति रेड्डी, क्रांति गौड़, रेणुका सिंह ठाकुर, ऋचा घोष (विकेटकीपर), जी कमलिनी (विकेटकीपर), श्री चरणी, वैष्णवी शर्मा।

श्रीलंका : चमारी अटापट्टू (कप्तान), हासिनी परेरा, विशमी गुणरत्ने, हर्षिता समरविक्रमा, नीलाक्षिका डी सिल्वा, कविशा दिलहारी, इमेशा दुलानी, कौशिनी नुथ्यांगना, मालशा शेहानी, इनोका राणावीरा, शशिनी गिम्हानी, निमेश मदुशानी, काव्या कविंदी, रश्मिका सेववंडी, मल्की मदारा।

एशेज

एमसीजी पर आईसीसी का फैसला मैच रेफरी ने दिए डिमेरिट अंक

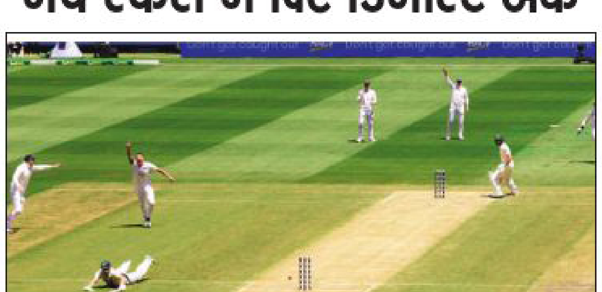

एजेंसी ▸▸ दुबई

आईसीसी ने मेलबर्न में इंग्लैंड और आस्ट्रेलिया के बीच खेले गए चौथे एशेज टेस्ट की पिच को असंतोषजनक करार दिया और एमसीजी पर एक डिमेरिट अंक भी लगा दिया। मैच रैफरी जैफ क्रो ने अपनी समीक्षा रिपोर्ट में कहा था कि पिच गेंदबाजों की जरूरत से ज्यादा मदद कर रही थी। चौथे टेस्ट के पहले दिन 20 विकेट गिरे। इंग्लैंड ने दो दिन के भीतर टेस्ट जीत लिया था।

आईसीसी ने कहा ,'चौथे एशेज टेस्ट के लिए मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड की पिच असंतोषजनक थी, जिसके लिए आईसीसी पिच और आउटफील्ड मॉनिटरिंग प्रक्रिया के तहत एमसीजी पर एक डिमेरिट अंक लगाया गया है।' छह डिमेरिट अंक होने पर मैदान पर एक साल तक का प्रतिबंध लग सकता है। क्रो ने कहा,' एमसीजी की पिच गेंदबाजों की जरुरत से ज्यादा मदद कर रही थी। पहले दिन 20 और दूसरे दिन 16 विकेट इस पर गिरे और कोई बल्लेबाज अर्धशतक भी नहीं बना सका। यह पिच असंतोषजनक थी और एमसीजी पर एक डिमेरिट अंक लगाया गया है।' इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स और क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने भी पिच की निंदा की थी।

चोट के कारण अंतिम टेस्ट से बाहर एटकिंसन

सिडनी। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज गस एटकिंसन भी चोटिल खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गए हैं और वह हैमस्ट्रिंग में चोट लगने के कारण सिडनी में होने वाले पांचवें और अंतिम एशेज क्रिकेट टेस्ट मैच में नहीं खेल पाएंगे। एटकिंसन मेलबर्न में खेले गए चौथे टेस्ट मैच के दूसरे दिन चोटिल हो गए थे। उनका स्कैन कराया गया, जिससे बाएं पैर में चोट का पता चला इसके बाद उन्हें औपचारिक तौर पर बाहर कर दिया गया। इंग्लैंड इस श्रृंखला में पहले ही चोटिल खिलाड़ियों की समस्या से जूझ रहा है। उसके स्टार तेज गेंदबाज मार्क वुड (घुटने की चोट) और जोफ्रा आर्चर (कमर में खिंचाव) पहले ही चोटिल होने के कारण बाहर हो चुके हैं। सिडनी में चार जनवरी से शुरू होने वाले पांचवें और अंतिम टेस्ट मैच में एटकिंसन की जगह 27 वर्षीय मैथ्यू पॉट्स को अंतिम एकादश में शामिल किया जा सकता है। इंग्लैंड के तेज गेंदबाजी आक्रमण में ब्रायडन कार्स और जोश टोंग के अलावा कप्तान बेन स्टोक्स शामिल हैं।

मसूद ने लगाया दोहरा शतक इंजमाम का तोड़ा रिकॉर्ड

कराची। पाकिस्तान के टेस्ट कप्तान शान मसूद ने 177 गेंद पर दोहरा शतक पूरा करके प्रथम श्रेणी क्रिकेट में किसी पाकिस्तानी बल्लेबाज के सबसे तेज दोहरे शतक का नया रिकॉर्ड बनाया। मसूद ने दिग्गज बल्लेबाज इंजमाम उल हक के तीन दशक पुराने रिकॉर्ड को तोड़ा। मसूद ने प्रेसिडेंट्स कप विभागीय टूर्नामेंट के पहले दिन सुइ नॉर्दर्न गैस की तरफ से खेलते हुए सहार एसोसिएट्स के खिलाफ यह उपलब्धि हासिल की।इससे पहले यह रिकॉर्ड पूर्व

कप्तान इंजमाम के नाम था, जिन्होंने 1992 में इंग्लैंड के दौरे के एक मैच में 188 गेंदों में दोहरा शतक बनाया था। मैच के पहले दिन का खेल समाप्त होने तक मसुद 185 गेंदों पर 212 रन बनाकर नाबाद थे। पाकिस्तान की धरती पर सबसे तेज दोहरा शतक बनाने का रिकॉर्ड अब भी भारत के वीरेंद्र सहवाग के नाम है, जिन्होंने 2006 में लाहौर टेस्ट में 182 गेंदों में दोहरा शतक पूरा किया था।

4 ओवर, 7 रन, 8 विकेट, 22 साल के गेंदबाज ने टी20 में किया करिश्मा

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

भूटान के स्पिनर सोनम येशे पुरुषों के टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में 8 विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज बन गए हैं। बाएं हाथ के स्पिनर सोनम येशे ने भूटान के गेलेफू माइंडफुलनेस सिटी में म्यांमार के खिलाफ तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान यह उपलब्धि हासिल की।

इस 22 वर्षीय गेंदबाज ने 7 रन देकर 8 विकेट लिए, जिससे भूटान ने म्यांमार को 45 रन पर आउट कर दिया। इससे पहले भूटान ने नौ विकेट पर 127 रन बनाए थे। भूटान क्रिकेट ने एक्स पर पोस्ट किया, 'एक यादगार स्पेल। सोनम येशे ने अविश्वसनीय प्रदर्शन करके चार ओवर में सात रन देकर आठ विकेट लिए और इस तरह से नया विश्व रिकॉर्ड बनाया।' इससे पहले किसी भी गेंदबाज ने किसी भी तरह के टी20 मैच में आठ विकेट लेने का कारनामा नहीं किया था।

मलेशिया के तेज गेंदबाज इद्रस का टूटा रिकॉर्ड

इससे पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी का रिकॉर्ड मलेशिया के तेज गेंदबाज स्याजरुल इद्रस के नाम था, जिन्होंने 2023 में चीन के खिलाफ 8 रन देकर 7 विकेट लिए थे। इनके अलावा बहरीन के अली दाऊद ही एकमात्र ऐसे गेंदबाज हैं, जिन्होंने टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में सात विकेट लिए हैं। उन्होंने इस साल की शुरुआत में भूटान के खिलाफ 19 रन देकर सात विकेट हासिल किए थे। अगर टी20 मैचों की बात करें तो नीदरलैंड के ऑलराउंडर कॉलिन एकरमैन ने 2019 में लीसेस्टरशर की तरफ से बर्मिंघम बियर्स के खिलाफ 18 रन देकर सात विकेट जबकि बांग्लादेश के तेज गेंदबाज तस्कीन अहमद ने इस साल के शुरू में दरबार राजशाही के लिए खेलते हुए ढाका कैपिटल्स के खिलाफ 19 रन देकर सात विकेट चटकाए थे।

यादें 2025: महिला टीम ने जीता वनडे विश्व कप, टेस्ट क्रिकेट में जूझती रही पुरुष टीम

वैश्विक टूर्नमेंट में टीम इंडिया ने बनाया दबदबा

एजेंसी ▸▸ बेंगलुरु

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने वर्ष 2025 में वनडे विश्व कप जीतकर आईसीसी ट्रॉफी हासिल करने के अपने लंबे इंतजार को खत्म किया लेकिन भारतीय पुरुष टीम टेस्ट क्रिकेट में जूझती नजर आई, जिससे उसकी सीमित ओवरों की क्रिकेट में सफलता भी फीकी पड़ गई।

वर्ष 2025 में वैश्विक टूर्नामेंट में भारत की पुरुष और महिला टीम ने अपना दबदबा बनाया। पुरुष टीम ने चैंपियंस ट्रॉफी (वनडे) और एशिया कप (टी20) में जीत हासिल की, जबकि महिला टीम ने पहली बार 50 ओवर का विश्व कप जीता। लेकिन पुरुषों के खेल में दक्षिण अफ्रीका के हाथों टेस्ट मैचों में 0-2 से मिली करारी हार ने मुख्य कोच गौतम गंभीर के नेतृत्व में लाल गेंद के प्रारुप में भारत की कमियों को उजागर कर दिया।

रो-को के वनडे में संन्यास को लेकर चर्चा

स्टार स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने पिछले साल के आखिर में ऑस्ट्रेलिया के दौरे के दौरान संन्यास की घोषणा कर दी थी। इससे भारतीय टीम किसी हद तक कमजोर पड़ गई। रोहित और कोहली के वनडे में भविष्य को लेकर पूरे साल चर्चा होती रही। इन दोनों ने हालांकि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के घरेलू क्रिकेट में खेलने की अनिवार्यता का सम्मान किया और दिखा दिया कि वह अभी वनडे प्रारुप को अलविदा कहने के मूड में नहीं हैं।

पुजारा ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को कहा अलविदा

एक और दिग्गज टेस्ट खिलाड़ी चेतेश्वर पुजारा ने भी औपचारिक रूप से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया, जिससे मध्य क्रम में बड़ा शून्य पैदा हो गया है। भारतीय टीम मध्यक्रम में अब एक मजबूत बल्लेबाज की तलाश के लिए संघर्ष कर रहा है। भारत ने नए विश्व टेस्ट

चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) चक्र (2025-27) में अपनी यात्रा की नींव नए कप्तान शुभमन गिल और उभरते खिलाड़ियों के एक समूह के साथ रखी थी और अब तक के परिणाम बेहद मिले-जुले रहे हैं।

गुवाहाटी में गरजे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह

असम ही नहीं पूरे देश में बांग्लादेशी घुसपैठियों की करेंगे पहचान

असम आंदोलन के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की

एजेंसी ▶▶ गुवाहाटी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह असम के एक दिन के दौरे पर पहुंचे, जहां उन्होंने कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया। शाह ने पहले असम के नगांव जिले में वैष्णव संत श्रीमंत शंकरदेव के जन्मस्थान बटाद्रवा का उद्घाटन किया। बटाद्रवा को 227 करोड़ की लागत से पुनर्विकसित किया गया है। असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा, केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल और पवित्र मार्गेरिटा और राज्य के संस्कृति मंत्री बिमल बोरा मौजूद रहे। दौरे की शुरुआत गुवाहाटी में 'शहीद स्मारक क्षेत्र' में अवैध घुसपैठियों के खिलाफ असम आंदोलन के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करके की।

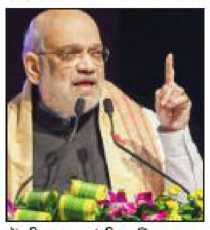
केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह

अमित शाह ने 'ज्योति-विष्णु अंतर्जातिक कला मंदिर' का उद्घाटन किया

291 करोड़ की लागत से तैयार नया सभागार

शाह ने असम के गुवाहाटी में पूर्वोत्तर क्षेत्र के सबसे बड़े सभागार 'ज्योति-विष्णु अंतर्जातिक कला मंदिर' का उद्घाटन किया। 291 करोड़ की लागत से निर्मित इस सभागार में 5,000 दर्शकों के बैठने की व्यवस्था है और 14.85 एकड़ भूमि में स्थापित परिसर का हिस्सा है। शाह ने गुवाहाटी पुलिस आयुक्त कार्यालय के 111 करोड़ की लागत से निर्मित नए भवन और शहर के लिए 2,000 सीसीटीवी कैमरों वाली निगरानी प्रणाली का उद्घाटन किया।

एक लाख बीघा जमीन अतिक्रमण से मुक्त कराई

बोरदुवा में अमित शाह ने कहा, वैष्णव संत श्रीमंत शंकरदेव के जन्मस्थान को अतिक्रमण से मुक्त कराया गया। वैष्णव संत श्रीमंत शंकरदेव ने 'एक भारत' का आह्वान किया था, जिसका अब पीएम नरेंद्र मोदी पालन कर रहे हैं। शाह ने दावा किया कि सरमा सरकार ने बांग्लादेशी घुसपैठियों से 1 लाख बीघा से ज्यादा जमीन खाली करवाई है। हम न सिर्फ असम से बल्कि पूरे भारत से सभी बांग्लादेशी घुसपैठियों की पहचान करेंगे।

कांग्रेस घुसपैठियों को आगे बढ़ाती रही

शाह ने कहा कि कांग्रेस ने इतने वर्षों तक राज किया, लेकिन उसने असम आंदोलन में जान देने वालों के लिए कुछ नहीं किया। कांग्रेस पार्टी वर्षों तक घुसपैठियों को आगे बढ़ाती रही और 1983 में आईएमडीटी एक्ट लाकर उन्होंने घुसपैठियों को यहां बसने का कानूनी रास्ता बनाया।

संत शंकरदेव के जन्मस्थल का उद्घाटन किया

बटाद्रवा पहुंचने पर गृह मंत्री का 'गायन-बयान' (गायक और ढोल वादक) द्वारा पारंपरिक स्वागत किया गया। शाह ने संत शंकरदेव के जन्मस्थल का पुनर्विकास के बाद उद्घाटन किया। उद्घाटन के बाद शाह केंद्रीय भवन में भी गए जहां 'गुरु आसन' (पूजनीय संत की सीट) रखी है। सीएम सरमा ने कहा कि यह परियोजना महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव की विरासत का सम्मान करते हुए पूरी की गई है।

तीन दिवसीय दौरे पर पश्चिम बंगाल पहुंचे

गृह मंत्री शाह पश्चिम बंगाल के तीन दिवसीय दौरे पर सोमवार रात कोलकाता पहुंचे। वह अगले साल राज्य में होने वाले महत्वपूर्ण विधानसभा चुनावों को लेकर भारतीय जनता पार्टी की तैयारियों की समीक्षा करेंगे। 30 दिसंबर को केंद्रीय गृह मंत्री मीडिया से बातचीत करेंगे। इसके अलावा वह मध्य कोलकाता स्थित इस्कॉन मंदिर और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के कार्यालय का दौरा करेंगे, जहां वे संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों से मुलाकात करेंगे। अपने दौरे के अंतिम दिन 31 दिसंबर को अमित शाह कोलकाता में आयोजित एक कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करेंगे।

खबर संक्षेप

विधायक के खिलाफ चेक बाउंस पर मामला दर्ज

बेंगलुरु। कर्नाटक के भाजपा विधायक शरणु सालगर के खिलाफ 99 लाख रुपए के चेक बाउंस के संबंध में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि उन पर आरोप है कि उन्होंने 2023 के विधानसभा चुनावों के दौरान लिए गए की कर्ज की राशि वापस नहीं की। विधायक ने अपने दूर के रिश्तेदार से राशि उधार ली थी।

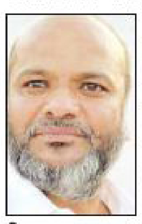

4 नाबालिगों ने प्रवासी मजदूर पर किया हमला

चेन्नई। तमिलनाडु पुलिस ने चेन्नई के पास एक प्रवासी मजदूर पर कथित तौर पर हमला करने के आरोप में चार किशोरों को गिरफ्तार किया है। घटना से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसमें ट्रेन के अंदर एक प्रवासी मजदूर को परेशान करने और हमला करते हुए दिखाया गया।

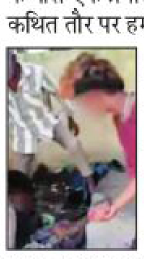

टाटानगर-एर्नाकुलम ट्रेन में आग, 1 की मौत

विशाखापत्तनम। आंध्र प्रदेश में यहां से 66 किलोमीटर दूर यलमंचिली के पास टाटानगर-एर्नाकुलम एक्सप्रेस के दो डिब्बों में आग लग जाने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस को आग लगने की सूचना रात 12 बजकर 45 मिनट पर मिली। पुलिस ने बताया कि प्रभावित डिब्बों में से एक में 82 और दूसरे में 76 यात्री सवार थे।

मुंबई में बस ने कुचला 4 की मौत, 9 घायल

मुंबई। महाराष्ट्र के मुंबई मुंबई के भांडुप (पश्चिम) इलाके में स्टेशन रोड पर रिवर्स हो रही बेस्ट बस ने कई पैदल यात्रियों को कुचल दिया। इस भीषण दुर्घटना में 3 महिलाओं समेत 4 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 9 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा रात करीब 10 बजे उस वक्त हुआ।

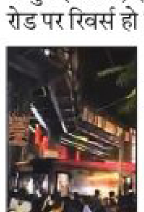

अरावली खनन मामले में सुप्रीम कोर्ट ने स्वत: संज्ञान लिया

कोर्ट ने केंद्र और अन्य पक्षों को नोटिस जारी किया

अपने ही फैसले पर पर लगाई रोक केंद्र सरकार से मांगा स्पष्ट 'जवाब'

सोमवार को अवकाश पीठ में हुई सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने संबंधित क्षेत्र के विशेषज्ञों को मिलाकर एक उच्चस्तरीय समिति गठित करने का प्रस्ताव भी रखा। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और अन्य पक्षों को नोटिस जारी करते हुए कहा कि इस मामले में आगे की सुनवाई 21 जनवरी को होगी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अरावली खनन मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को अपने पुराने फैसले पर रोक लगा दी। सरकार से स्पष्ट जवाब मांगते हुए शीर्ष अदालत की पीठ ने कहा कि इस मामले में स्पष्टीकरण जरूरी है। बता दें कि कोर्ट ने इस मामले का स्वत: संज्ञान लिया है। अरावली पहाड़ियों और पर्वत श्रृंखलाओं की परिभाषा नए सिरे से तय किए जाने के इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा, 20 नवंबर के फैसले में दिए गए निर्देशों को स्थगित रखा जाएगा। अपने आदेश में अदालत ने कहा, इसमें कुछ ऐसे मुद्दे हैं जिन पर स्पष्टीकरण आवश्यक है। सोमवार को अवकाश पीठ में हुई सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने संबंधित क्षेत्र के विशेषज्ञों को मिलाकर एक उच्चस्तरीय समिति गठित करने का प्रस्ताव भी रखा। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और अन्य पक्षों को नोटिस जारी करते हुए कहा कि इस मामले में आगे की सुनवाई 21 जनवरी को होगी।

20 नवंबर के फैसले में दिए निर्देशों को स्थगित रखा

21 जनवरी को होगी मामले में आगे की सुनवाई

केंद्रीय मंत्री यादव ने फैसले का किया स्वागत

अरावली पहाड़ियां और सुप्रीम कोर्ट

केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले का स्वागत किया है। भूपेंद्र यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि वे सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले और मुद्दों का अध्ययन करने के लिए एक नई कमेटी बनाने के निर्देशों का स्वागत करते हैं। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय सुप्रीम कोर्ट के इस नई समिति को हर जरूरी सहयोग देगा। उन्होंने कहा कि अभी भी अरावली क्षेत्र में नई खनन लीज देने या पुरानी लीज को नवीनीकरण करने पर पूरी तरह रोक जारी रहेगी। सरकार अरावली पहाड़ियों की सुरक्षा और दोबारा सुधार के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

कांग्रेस ने फैसले को उम्मीद की किरण बताया

कांग्रेस ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत किया। पार्टी ने केंद्र सरकार और खास तौर पर केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव पर हमला बोलते हुए उनसे इस्तीफे की मांग की है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला उम्मीद की एक किरण है।

ठाकरे ने स्थाई राहत की जताई उम्मीद

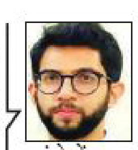

शिवसेना (उबाठा) के नेता आदित्य ठाकरे ने फैसले का सोमवार को स्वागत करते हुए कहा कि यह राहत बहुत बड़ी है, लेकिन इसे स्थायी बनाया जाना चाहिए। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि यह भी जरूरी है कि लोग अरावली पहाड़ी के सुरक्षित होने के बारे में फैलाई जा रही गलत सूचना के झांसे में न आएं। अरावली पर्वतमाला के लिए माननीय उच्चतम न्यायालय का स्थगन आदेश एक बड़ी लेकिन अस्थायी राहत है। इस पर स्थायी मुहर लगना चाहिए।

24 दिसंबर को जारी हुए थे नए निर्देश

24 दिसंबर को केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने नए निर्देश जारी किए थे। इनमें केंद्र सरकार ने कहा है कि नए खनन के लिए मंजूरी देने पर रोक संपूर्ण अरावली क्षेत्र पर लागू रहेगी। इसका उद्देश्य अरावली रेंज की अखंडता को बचाए रखना है। इन निर्देशों का लक्ष्य गुजरात से राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र तक फैली एक सतत भूवैज्ञानिक श्रृंखला के रूप में अरावली का संरक्षण करना और सभी अनियमित खनन गतिविधियों को रोकना है।

आईसीएफआरई बना रही थी योजना

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद (आईसीएफआरई) से कहा गया है कि पूरे अरावली क्षेत्र में ऐसे अतिरिक्त क्षेत्रों की पहचान की जाए, जहां पर खनन पर रोक लगनी चाहिए। यह उन क्षेत्रों के अतिरिक्त रहे, जहां पर केंद्र ने पहले से खनन पर प्रतिबंध लगा रखा है।

त्रिपुरा के छात्र एंजेल की हत्या का मामला

सीएम धामी बोले- आरोपियों को सख्त सजा दिलाकर रहेंगे

मृतक एंजेल चकमा

सीएम धामी

एजेंसी ▶▶ देहरादून

त्रिपुरा के छात्र एंजेल चकमा की देहरादून में हुई हत्या के बाद उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी ने उसके पिता तरुण प्रसाद चकमा से फोन पर बातचीत की और उन्हें उनके बेटे के आरोपियों को सख्त सजा दिलाने का आश्वासन दिया। धामी ने एंजेल की हत्या पर दुःख व्यक्त किया और कहा कि इस घटना से वह व्यक्तिगत तौर पर दुखी हैं। सरकार इस मामले में सख्त कार्रवाई करेगी।

उन्होंने बताया कि पुलिस ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए दो नाबालिगों समेत 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। मुख्य आरोपी यज्ञराज अवस्थी, जो नेपाल का रहने वाला है, अभी फरार है। उस पर 25,000 रुपए का इनाम रखा गया है। उसे भी गिरफ्तार करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

सरकार पीड़ित परिवार के संग

सीएम धामी ने कहा कि घटना के संबंध में उनकी त्रिपुरा के सीएम डॉ. माणिक साहा के साथ ही केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से भी बात हुई है। धामी ने जोर देकर कहा कि प्रदेश सरकार पूरी तरह से पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि परिवार की सहायता के लिए वह डॉ. साहा से बातचीत करेंगे और साथ ही उत्तराखंड सरकार भी परिवार की हर संभव सहायता करेगी। यहां के एक निजी विश्वविद्यालय में एमबीए अंतिम वर्ष के 24 वर्षीय छात्र एंजेल चकमा को नौ दिसंबर को कुछ युवकों द्वारा कथित तौर पर चाकू और कड़े से वार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया गया था। अस्पताल में 17 दिन तक भर्ती रहने के बाद 26 दिसंबर को उसकी मौत हो गई थी।

भाजपा राज में नफरत सामान्य: राहुल

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने एंजेल चकमा की हत्या की कड़ी निंदा की है। उन्होंने भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि सत्ताधारी पार्टी ने नफरत को सामान्य बना दिया है, जिसकी वजह से ऐसी घटनाएं हो रही हैं। देहरादून में एंजेल चकमा और उनके भाई माइकल के साथ जो हुआ, वह नफरत का एक भयावह उदाहरण है। वहीं, राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से अपील की कि वे नफरत भरे अपराधों के खिलाफ अपनी आवाज उठाएं। असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष और लोकसभा में कांग्रेस के उप नेता गौरव गोगोई ने यह भी कहा कि इसकी भी जांच होनी चाहिए कि पुलिस को प्राथमिकी दर्ज करने में 12 दिन क्यों लगे?

संदीप दीक्षित का हुआ राजनीतिक पुनर्वास

मिली 'रचनात्मक कांग्रेस' की कमान, लोगों से संवाद करेंगे

रॉयल पत्रिका नई दिल्ली

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने संगठनात्मक स्तर पर एक महत्वपूर्ण फैसला लेते हुए संदीप दीक्षित को रचनात्मक कांग्रेस का अध्यक्ष नियुक्त किया है। यह नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू होगी। इससे पहले यह इकाई आउटरीच सेल के नाम से जानी जाती थी। पूर्व दिल्ली के सांसद, सीएम रहीं शीला दीक्षित के पुत्र संदीप दीक्षित के लिए यह समय के बाद राजनीतिक पुनर्वास हुआ है। अब उन्हें एक प्रकोष्ठ की जिम्मेदारी देकर उनके नेतृत्व को कसौटी पर कसने का काम शीर्ष नेतृत्व ने किया है। रचनात्मक कांग्रेस को एक समर्पित मंच के रूप में विकसित करने का निर्णय शीर्ष नेतृत्व ने लिया है, जिसका उद्देश्य समाज के विभिन्न वर्गों से सार्थक संवाद स्थापित करना है।

आयुष दवाओं की गुणवत्ता पर कदम

108 लैब्स को मिली जांच की मंजूरी, कार्यक्षमता की मजबूत

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

आयुष मंत्री प्रतापराव जाधव ने बताया है कि देशभर में आयुर्वेद, सिद्ध और यूनानी दवाओं की गुणवत्ता जांच के लिए 108 प्रयोगशालाओं को मंजूरी दी गई है। ये सभी लैब्स ड्रग्स रूल्स, 1945 के प्रावधानों के तहत स्वीकृत या लाइसेंस प्राप्त हैं। उन्होंने बताया कि 34 राज्य स्तरीय ड्रग टेस्टिंग लैब्स को उनके इंफ्रास्ट्रक्चर और कार्यक्षमता को मजबूत करने के लिए सहयोग दिया गया है। इसके साथ ही सेंट्रल काउंसिल फॉर रिसर्च इन आयुर्वेदिक साइंसेज के तीन क्षेत्रीय शोध संस्थानों को भी ड्रग्स रूल्स, 1945 के तहत मंजूरी मिली है। उन्होंने बताया कि आयुर्वेद, सिद्ध, यूनानी और होम्योपैथी दवाओं की निगरानी के लिए फार्मा को विजिलेंस प्रोग्राम लागू किया गया है जो केंद्रीय क्षेत्र की योजना है।

नए साल पर 'बजरंग सेतु' की सौगात

ऋषिकेश। उत्तराखंड में नए साल की शुरुआत के साथ ही ऋषिकेश के लोगों और देश-विदेश से आने वाले तीर्थयात्रियों व पर्यटकों को बड़ी सौगात मिलने जा रही है। यह सेतु 1929 में बना ऐतिहासिक लक्ष्मण झूला की जगह लेगा। गंगा नदी पर निर्माणाधीन अत्याधुनिक बजरंग सेतु को जल्द ही आम जनता के लिए खोलने की तैयारी अंतिम चरण में पहुंच गई है। लोक निर्माण विभाग के अनुसार, पुल का निर्माण कार्य 26 जनवरी तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। करीब 132 मीटर लंबे इस आधुनिक सस्पेंशन ब्रिज की निर्माण लागत लगभग 68 करोड़ रुपए है।

एक्स पर लिखे माफीनामे में कहा, मेरे बयान को गलत समझा, मैं माफी चाहता हूं

जब सरकार ने दिखाए तेवर तो बदल गए भगोड़े ललित मोदी के सुर, छेड़ा 'माफी राग'

रॉयल पत्रिका ▶▶ नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के पूर्व अध्यक्ष और देश के भगोड़े आर्थिक अपराधी ललित मोदी को बीते दिनों लंदन में हुई विजय माल्या की जन्मदिन पार्टी में सोशल मीडिया पर एक वीडियो अपलोड करने के चक्कर में लेने के देने पड़ गए। अंत में इसके लिए उन्हें सोमवार को न केवल भारत की सरकार से सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी पड़ी। बल्कि ये भी कहना पड़ा कि उनके बयान को सही ढंग से समझने में चूक हुई है, बयान में उनका आशय किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का नहीं था। दरअसल, मोदी ने माल्या की जन्मदिन में बनाए गए वीडियो को 22 दिसंबर को एक्स अकाउंट पर साझा करते हुए देश की सरकार और जांच एजेंसियों पर एक प्रकार से तंज कसते हुए कहा था कि हम दोनों (ललित मोदी, विजय माल्या) भारत के दो सबसे बड़े भगोड़े हैं।

ललित मोदी (बाएं), विजय माल्या (दाएं)

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में तलाश

ललित मोदी ने लिखा कि अगर मेरे बयान से किसी की भावनाओं को (भारत सरकार) ठेस पहुंची हो तो मैं उसके लिए माफी चाहता हूं। मेरे बयान का वो अर्थ कतई नहीं था, जैसा कि उसे समझा गया। किसी भी तरह की गलतफहमी के लिए मैं पुनः क्षमा चाहता हूं। बता दें, आईपीएल के संस्थापक व भगोड़े आर्थिक अपराधी ललित मोदी को भारतीय जांच एजेंसियों को 1999 के फॉरेन एक्सचेंज मैनेजमेंट एक्ट (फेमा) के उल्लंघन व मनीलॉन्ड्रिंग के मामले को लेकर तलाश है।

ओलचिकी लिपि के शताब्दी समारोह में शामिल हुईं राष्ट्रपति मुर्मू

परंपरागत ज्ञान, संस्कृति और अस्मिता को संरक्षित करना जरूरी

एजेंसी ▶▶ रांची

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को पूर्वी सिंहभूम जिले के करनडीह स्थित आदिवासी पूजास्थल 'दिशोम जाहेरथान' परिसर में संथाली भाषा की ओलचिकी लिपि के शताब्दी समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए परंपरागत ज्ञान, संस्कृति और अस्मिता को संरक्षित रखने का आह्वान किया। उन्होंने ओलचिकी लिपि के जनक पंडित रघुनाथ मुर्मू को श्रद्धांजलि अर्पित की। अपने संबोधन से पहले राष्ट्रपति मुर्मू ने संथाली भाषा में करीब तीन मिनट तक पारंपरिक 'नेहोर गीत' गाया। उन्होंने कहा कि यह प्रार्थना गीत उन्होंने बचपन में सीखा था, जिसमें 'जाहेर आयो' (प्रकृति माता) से समाज को सदैव उजाले के मार्ग पर ले जाने की कामना की गई है।

मुर्मू ने संथाली भाषा में पारंपरिक 'नेहोर गीत' गाया

राष्ट्रपति ने संथाली भाषा में ही अपना पूरा संबोधन दिया

संथाली भाषा को आठवीं अनुसूची में शामिल करें

शताब्दी समारोह का उद्घाटन करतीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

उन्होंने जोर दिया कि संथाली भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल किए जाने के बाद यह आवश्यक है कि देश के नियम-कानून और प्रशासनिक व्यवस्थाओं की जानकारी संथाली भाषा में समाज के लोगों तक पहुंचे।

आदिवासियों के विकास में करेंगे सहयोग

समारोह को राज्यपाल संतोष गंगवार और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भी संबोधित किया। राज्यपाल ने कहा कि लोकभवन के द्वार आम लोगों के लिए सदैव खुले हैं और आदिवासियों के विकास से जुड़े हर प्रयास में लोक भवन सहयोग करेगा। सीएम सोरेन ने भी संथाली भाषा, संस्कृति और आदिवासी पहचान के संरक्षण के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई।

संथाली लेखकों के योगदान को सराहा

आदिवासी समाज के स्वाभिमान और अस्तित्व की रक्षा में संथाली लेखकों और सामाजिक कार्यकर्ताओं के योगदान की सराहना करते हुए मुर्मू ने कहा कि आप अपने दैनिक जीवन से समय निकालकर ओल चिकी लिपि और संथाली भाषा के उत्थान के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं और ओलचिकी लिपि के जनक पंडित रघुनाथ मुर्मू के अधूरे सपनों को आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने ओलचिकी लिपि में संविधान के प्रकाशन को एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886